मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 116
शुक्रवार, 06 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

सुप्रीम कोर्ट ने हाथियों के अंतरराज्यीय ट्रांसफर में जल्दबाजी पर जताई चिंता, प्रक्रिया पर उठाए सवाल

नयी दिल्ली, 05 नवम्बर। उच्चतम न्यायालय ने हाथियों को एक राज्य से दूसरे राज्य में कथित तौर पर जल्दबाजी में स्थानांतरित किए जाने पर बृहस्पतिवार को चिंता जताई। इनमें वह हाथी भी शामिल है, जिसे सिर्फ नौ दिनों में लगभग 3,000 किलोमीटर दूर चेन्नई ले जाया गया था। हाथियों के स्थानांतरण के लिए अपनाई गई प्रक्रिया को चुनौती देने वाले गैर सरकारी संगठन पीपुल फॉर कैटल इन इंडिया की याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि इस तरह के सभी स्थानांतरणों में कानूनी प्रावधानों और पहले जारी किए गए निदेशों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने कहा कि हाथियों के अंतरराज्यीय स्थानांतरण को नियंत्रित करने वाले पर्यावरण कानूनों के तहत सत्यापन, मंजूरी और विचार-विमर्श के कई चरण निर्धारित हैं। इस पूरी प्रक्रिया में आमतौर पर कम से कम लगभग 50 दिन लगते हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता ने बताया कि मौजूदा मामले में हाथी के स्थानांतरण का अनुरोध चार सितंबर को किया गया था, जबकि हाथी नौ सितंबर तक लगभग 3,000 किलोमीटर की दूरी तय कर चेन्नई ले जाया गया था। अरोड़ा ने कहा कि इतनी कम अवधि में नियमों के तहत निर्धारित सभी सत्यापन और प्रक्रियागत आवश्यकताओं को पूरा करना संभव नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि उच्च न्यायालय ने अधिकारियों को केवल लंबित



आवेदन पर फैसला करने का निर्देश दिया था, न कि किसी निश्चित समयसीमा के भीतर हाथी को स्थानांतरित करने का आदेश दिया था। अंतरिम राहत दिये जाने का अनुरोध करते हुए वकील ने दलील दी कि जिस जल्दबाजी में मंजूरियां दी गईं, उससे कानूनी प्रावधानों के अनुपालन को लेकर गंभीर सवाल उठते हैं। पीठ ने हालांकि कहा कि संबंधित सभी हाथियों को पहले ही स्थानांतरित किया जा चुका है और संकेत दिया कि इस चरण में उन्हें वापस भेजने का आदेश नहीं दिया जा सकता। प्रधान न्यायाधीश ने हाथियों से जुड़े मामलों में उच्चतम न्यायालय के पूर्व के हस्तक्षेपों का जिक्र करते हुए कहा, अगर यह जल्दबाजी में की गई प्रक्रिया थी और इस बारे में हमें बताया गया होता, तो हम इसे रोक देते। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि अदालत ने लगातार हाथियों की पहचान और स्वामित्व के सत्यापन के साथ-साथ उनके परिवहन और देखभाल के उचित नियमन पर जोर दिया है। अपने पहले के निदेशों का जिक्र करते हुए पीठ ने कहा कि अदालत 2021 से ही इस मुद्दे को लेकर चिंतित रही है ।और उसने जंगली हाथियों को पकड़ने पर रोक लगा रखी थी। वरिष्ठ अधिवक्ता ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी और साथ ही जारी कार्यवाही में उचित आवेदन दायर करने की छूट देने का अनुरोध किया। इसके बाद पीठ ने इसकी अनुमति दे दी।

युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगा 1857 शहीद स्मारक, अमित शाह ने अंबाला में किया नमन



अंबाला, 05 नवम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को अंबाला छावनी में अत्याधुनिक '1857 शहीद स्मारक' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि अंबाला भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम का केंद्र बिंदु था और यह नया स्मारक देश भर के युवाओं के लिए देशभक्ति की प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

हरियाणा राज्य स्थापना दिवस और राज्य की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर गांधी मैदान में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए, शाह ने इतिहास में अंबाला की अहम भूमिका और इस विद्रोह के प्रभाव पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि अंबाला वही जगह है जहां 10 मई को 1857 का स्वतंत्रता संग्राम शुरू हुआ था। इस संघर्ष ने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी। 1857 की क्रांति केवल एक विद्रोह नहीं, बल्कि आजादी के लिए लड़ा गया एक वास्तविक संघर्ष था। हालाँकि आम ऐतिहासिक वृत्तांतों में मेरठ को 1857 के महान विद्रोह का मुख्य केंद्र माना जाता है, लेकिन क्षेत्रीय ऐतिहासिक शोध और स्थानीय प्रशासनिक रिकॉर्ड एक ऐसी समय-रेखा पेश करते हैं जिससे पता चलता है कि विद्रोह की पहली चिंगारी असल में अंबाला की धरती पर कुछ घंटे पहले ही भड़क गई थी। इसका प्रमाण अंबाला छावनी में हाल ही में स्थापित '1857 शहीद स्मारक' है। प्रोफेसर के.सी. यादव जैसे विद्वानों के ऐतिहासिक शोध और स्थानीय जिला अभिलेखों के अनुसार, अंबाला छावनी में तैनात 60वीं नेटिव इन्फैंट्री और 5वीं नेटिव इन्फैंट्री के सैनिकों ने 10 मई 1857 की सुबह लगभग 9:00 बजे खुला विद्रोह कर दिया था–जो मेरठ में सैनिकों द्वारा हथियार उठाने से कई घंटे पहले की बात है।

उत्तरकाशी में कार भागीरथी नदी में गिरी, 4 लोगों की मौत, 2 लापता उत्तरकाशी

उत्तराखंड, 05 नवम्बर। उत्तराखंड में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बृहस्पतिवार को एक कार सड़क से फिसलकर भागीरथी नदी में गिर गई, जिससे दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिला प्रशासन ने बताया कि कार में सात लोग सवार थे और यह गंगानी के पास सड़क से फिसलकर नदी में गिर गई। अधिकारियों ने बताया कि चार शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि गंभीर रूप से घायल 17-वर्षीय एक लड़के को बचाकर सड़क तक पहुंचाया गया। दो महिलाएं अब भी लापता हैं। उत्तरकाशी स्थित आपातकालीन परिचालन केंद्र को सुबह सात बजे मिली जानकारी के अनुसार, भटवाड़ी तहसील के गंगानी के पास एक इनोवा कार दुर्घटनाग्रस्त होकर भागीरथी नदी में



जा गिरी। पुलिस, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के जवान, चिकित्सा दल के साथ एक एंबुलेंस, राजस्व विभाग के अधिकारी और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक टीम घटनास्थल पर मौजूद है। जिला प्रशासन ने कार्रवाई रिपोर्ट में कहा, "घायल व्यक्ति को नदी से निकालकर ऊपर सड़क तक पहुंचाया गया है। उसे हवाई मार्ग से अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। वहीं, लापता लोगों की तलाश के लिए अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि वाहन में सवार लोग गुजरात के साबरमती इलाके के निवासी थे और उत्तरकाशी से गंगोत्री धाम जा रहे थे। हादसे में मारे गए चार लोगों की पहचान गुजरात निवासी पटेल अशोकबेन (49), रुतिका अशोकभाई पटेल (19) और घनश्यामभाई सरवालिया (32) तथा हरिद्वार निवासी वाहन चालक सुरेंद्र सिंह के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि गुजरात निवासी 17-वर्षीय पटेल वेदांत अशोकभाई को गंभीर हालत में बचाया गया। उसे हवाई मार्ग से अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि लापता दोनों महिलाओं की पहचान पटेल सुदाबेन अशोकभाई (45) और पटेल किरणबेन विशालभाई (34) के रूप में हुई है।

होटल चेक-इन से गिग वर्कर्स तक, अब बिना पेपर के होगा 'आधार' वेरीफिकेशन, UIDAI का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। अब होटल में चेक-इन करना हो, अस्पताल में भर्ती होना हो या किसी गिग वर्कर की पहचान सत्यापित करनी हो, इसके लिए आधार कार्ड की फोटोकॉपी देने जरूरत धीरे-धीरे कम होती जाएगी। UIDAI ने अपनी डिजिटल व्यवस्था को और मजबूत करते हुए जनवरी से 300 संगठनों को अपने ऑफलाइन वेरिफिकेशन सिस्टम में शामिल कर लिया है। इससे रोजमर्रा की सेवाओं में सहमति-आधारित डिजिटल पहचान सत्यापन का दायरा काफी बढ़ गया है।

यह बदलाव ऐसे समय में आया है जब 'आधार एप' काफी लोकप्रिय हो रहा है। इसके लगभग 7.5 करोड़ डाउनलोड हो चुके हैं और 86 लाख से ज्यादा लोग इसका इस्तेमाल आधार केंद्र जाए बिना अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर अपडेट करने के लिए कर रहे हैं।इन 300 संगठनों को ऑफलाइन वेरिफिकेशन सीकिंग एंटिटीज (OVSEs) के रूप में पंजीकृत किया गया है। इनमें हॉस्पिटैलिटी, हेल्थकेयर, शिक्षा, इवेंट्स, गिग इकॉनमी और उपभोक्ता सेवाएं शामिल हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य कागजी दस्तावेज इकट्ठा करने की जगह डिजिटल सत्यापन अपनाना है, जिससे कागजी काम कम होगा और निजी जानकारी के दुरुपयोग का जोखिम भी घटेगा।इस सिस्टम के तहत, लोग अपनी सहमति देने के बाद एप के जरिए अपनी पहचान का विवरण साझा कर सकते हैं। वे यह चुन सकते हैं कि



उन्हें पूरी जानकारी देनी है या केवल चुनिंदा जानकारी। इस प्रक्रिया में उनका 12 अंकों का विशिष्ट पहचान नंबर सत्यापन करने वाले संगठन को नहीं भेजा जाता है। यह विस्तार UIDAI के उन प्रयासों का हिस्सा है, जिसके जरिए वह होटलों और अन्य सेवा प्रदाताओं को प्रोत्साहित कर रहा है कि वे फोटोकॉपी के बजाय एप-आधारित डिजिटल पहचान प्रमाण को स्वीकार करें। पिछले साल अप्रैल में UIDAI ने पहली 100 संस्थाओं को जोड़ा था।सत्यापन की इस पहल के अलावा, एप का इस्तेमाल निजी जानकारी अपडेट करने के लिए भी तेजी से हो रहा है।

UIDAI के अनुसार, लोगों ने इसके जरिए 22.16 लाख बार अपना पता और 40.25 लाख बार अपना ईमेल अपडेट किया है।सुरक्षा से जुड़े फीचर्स का भी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हुआ है। एप में 4.6 करोड़ बार बायोमेट्रिक लॉक और अनलॉक ट्रांजैक्शन हुए हैं, जिससे यूजर्स अपने फिंगरप्रिंट और आइरिस आधारित प्रमाणीकरण को नियंत्रित कर सकते हैं। इसके अलावा, 3.61 लाख बार डिजिटल लॉक और अनलॉक ट्रांजैक्शन भी दर्ज किए गए हैं।

इन फीचर्स का बढ़ता इस्तेमाल काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अब इसका उपयोग केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि निजी सेवाओं में भी पहचान सत्यापन के लिए बढ़ गया है। अब इस बात पर जोर है कि निवासी अपनी निजी जानकारी का अनावश्यक खुलासा किए बिना अपनी पहचान साबित कर सकें।

युवाओं को अपनी ताकत को पहचानने की जरूरत है : चिराग पासवान

वाराणसी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने वाराणसी में आयोजित 'नव संकल्प महासभा' को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश में पार्टी के जनाधार को बढ़ाने, कार्यकताओं को संगठित करने और आगामी चुनावों की तैयारियों का शंखनाद किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का युवा देश के निर्माण में पूरी निष्ठा से लगा हुआ है।

चिराग पासवान की नव संकल्प महासभा का आयोजन जगतपुर इंटर कॉलेज में किया गया है। बृहस्पतिवार को चिराग पासवान के कार्यक्रम के लिए भारी संख्या में समर्थक पहुंचे। मंच पर चिराग पासवान के पहुंचते ही समर्थकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया। हाथ जोड़कर



पासवान ने लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब तक जिंदा हूं, संविधान पर आंच नहीं आने दूंगा। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि महादेव से आशीर्वाद और आप सबका आशीर्वाद मांगने आया हूं। जो सपना मेरे नेता, मेरे पिता रामविलास पासवान ने देखा था, उनकी इच्छा थी कि जिस तरीके से उन्होंने बिहार में सामाजिक, आर्थिक और न्याय की लड़ाई को लड़ने का काम किया।

चक्रवात 'अर्नब': ओडिशा ने बाढ़ और चक्रवात से निपटने के लिए केंद्र से 2,526 करोड़ रुपये मांगे

भुवनेश्वर, 05 नवम्बर। ओडिशा सरकार ने बृहस्पतिवार को चक्रवात अर्नब और उसके बाद तीन दक्षिणी जिलों में आई बाढ़ के असर को देखते हुए, केंद्रीय सहायता के रूप में 2,526 करोड़ रुपये की मांग की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। राज्य सरकार ने राज्य में चक्रवातों और बाढ़ के असर को कम करने और इसका स्थायी समाधान निकालने के



लिए 10,000 करोड़ रुपये की विशेष सहायता की मांग की है।

यह जानकारी विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) राजेश पी. पाटिल ने पत्रकारों को दी। उन्होंने यह बात केंद्रीय टीम के साथ बैठक के बाद कही, जो राज्य के गंजाम, गजपति और कंधमाल जिलों में चक्रवात अर्नब और उसके बाद आई बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लेने आई थी। पाटिल ने कहा कि आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सिंचाई सुविधाओं और अन्य बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए विशेष अनुदान की आवश्यकता है। मुख्य सचिव अनु गर्ग की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में, राज्य सरकार ने केंद्रीय टीम को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें नुकसान के लिए मुआवजे की मांग की गई। इस बैठक में गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव रवि शंकर के नेतृत्व वाली आठ सदस्यीय अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीम भी शामिल थी। अपनी यात्रा के दौरान टीम ने मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी से भी मुलाकात की। ओडिशा का अपना दौरा समाप्त करने से पहले, टीम ने स्थिति पर चर्चा की। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, माझी ने राज्य में चक्रवातों और बाढ़ की समस्या को कम करने के लिए एक स्थायी समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य को अक्सर बाढ़, चक्रवात और लू जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध



NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L.T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW
SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

धनतेरस: धन की पूजा नहीं, धन के शुद्ध संस्कारों का पर्व



-ललित गर्ग

पंच पर्वों से जुड़े दीपावली महापर्व का दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस केवल दीपावली के आरंभ का पर्व नहीं, बल्कि धन के प्रति हमारी दृष्टि को परखने का अवसर है। यह वह दिन है जब भारतीय संस्कृति धन की पूजा के साथ मनुष्य को यह स्मरण कराती है कि धन साधन है, साध्य नहीं, समृद्धि जीवन का अलंकार है, जीवन का आधार नहीं। दुर्भाग्य यह है कि आधुनिक समय में धन की परिभाषा इतनी संकुचित हो गई है कि धन का अर्थ संवेदना, सदाचार और संतोष से नहीं, बल्कि संग्रह, सुविधा, प्रतिष्ठा और शक्ति से जोड़ा जाने लगा है। आज दुनिया में आर्थिक समृद्धि बढ़ी है, लेकिन क्या उसी अनुपात में मनुष्य समृद्ध हुआ है? चंद हाथों



में सिमटती संपदा और बढ़ती आर्थिक विषमता ने समाज में एक विचित्र असुरक्षा पैदा की है। भौतिक सुविधाएं बढ़ी हैं, पर विश्वास घटा है। साधन बढ़े हैं, लेकिन साधना कमजोर हुई है। घर बड़े हुए, मगर हृदय छोटे होते गए। परिणामतः हिंसा, छल, भ्रष्टाचार, चोरी, शोषण, दुराचार और असीम संग्रह जैसी प्रवृत्तियां केवल समाज में नहीं, हमारे भीतर भी जगह बनाने लगी हैं। चेहरों की पहचान बची है, लेकिन चरित्र की पहचान धुंधली पड़ रही है।

धनतेरस का वास्तविक संदेश इसी विसंगति को दूर करने में छिपा है। धन का विरोध भारतीय चिंतन कभी नहीं करता, वह धन के अंधे संग्रह और उसके अनुचित उपयोग का विरोध करता है। सनातन दृष्टि में लक्ष्मी तभी मंगलकारी है, जब वह धर्म और लोकमंगल से जुड़ी हो। भगवान महावीर का अपरिग्रह हमें बताते हैं कि आवश्यकता से अधिक संग्रह अंततः मनुष्य को वस्तुओं का स्वामी नहीं, वस्तुओं का दास बना देता है। जैन दर्शन का संयम और अल्पीकरण केवल साधु जीवन की साधना नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन के लिए भी एक महत्वपूर्ण जीवन-दृष्टि है। महात्मा गांधी ने धन के इसी प्रश्न को ट्रस्टीशिप के सिद्धांत से जोड़ा। उनके लिए संपत्ति का अधिकार केवल निजी उपभोग का अधिकार नहीं था, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी था। धन हमारे पास हो सकता है, लेकिन उसका अंतिम अर्थ तभी है जब उससे किसी और के जीवन में आशा, सम्मान और अवसर पैदा हों। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि हमारे पास कितना धन है, प्रश्न यह है कि हमारे धन का हमारे चरित्र पर कितना अधिकार है और हमारे धन से समाज को कितना अधिकार मिलता है।

धनतेरस धन की कामना का पर्व है। इस दृष्टि से यह अर्थव्यवस्था का पर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक् एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस तरह इस उत्सव में उपरोक्त तीनों प्रकार से लक्ष्मी की उपासना यानी धन एवं सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। यही कारण है कि इस दिन बर्तन खरीदे जाते हैं। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धन संपदा की देवी मां लक्ष्मी धनतेरस के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुईं थीं इसीलिए ऐसा माना जाता है कि इस दिन सोना-चांदी घर लाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है, घर में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली आती है और अच्छा भाग्य भी घर लाते हैं। सोना खरीदने से बुरी शक्तियां और नकारात्मक ऊर्जा घर से दूर होती है। कई परिवार इस दिन सोना-चांदी खरीदकर अपनी सैकड़ों साल पुरानी परंपरा का पालन करते हुए इस दिन दिव्यता एवं धन की देवी लक्ष्मी देवी की पूजा करते हैं।

लक्ष्मीजी का स्वरूप त्रिगुणात्मक है। उनका वास तन, मन और धन तीनों में है। पांच प्रकार के सुख कहे गये हैं- तन, मन, धन, पत्नी और संतान। देवी भगवती कमला यानी लक्ष्मीजी के आठ रूप कहे गये हैं। आद्य लक्ष्मी या महालक्ष्मी (कन्या), धन लक्ष्मी (धन, वैभव, निवेश, अर्थव्यवस्था), धान्य लक्ष्मी (अन्न), गजलक्ष्मी (पशु व प्राकृतिक धन), सनातना लक्ष्मी (सौभाग्य, स्वास्थ्य, आयु व समृद्धि), वीरा लक्ष्मी (वीरोचित लक्ष्मी अर्थात रक्षा, सुरक्षा), विजया लक्ष्मी (दिगदिगंत विजय), विद्या लक्ष्मी (विद्या, ज्ञान, कला विज्ञान), इन आठों स्वरूपों को मिलाकर महालक्ष्मी का पर्व बना दिवाली। दिवाली अर्थात दीप पर्व। जहां इन आठों स्वरूपों का प्रकाश हो, वहां दिवाली निश्चित रूप से होती है। प्रकाश, पुष्टि, प्रगति की प्रार्थना के साथ। दूसरे अर्थ में समझिए। लक्ष्मीजी का वास एक लघु इकाई में है। एक माटी के दीपक में है। उसके प्रकाश में है। एक फकीर की भी दिवाली है तो एक अमीर की भी। एक कुम्हार की भी दिवाली है, तो एक सर्राफ की भी। यही लक्ष्मी है। मन की लक्ष्मी। सबकी लक्ष्मी। इसका आशय यह है कि तन, मन, धन, परिवार और संतान की पुष्टि एक दीप की तरह प्रकाशवान रहें। धनवर्षा के साथ, अमृतवर्षा के साथ। आज आवश्यकता धन कमाने की नहीं, धन कमाने की शुद्ध पद्धति और उसके शुद्ध उपयोग की है। यदि साध्य समृद्धि है तो साधन भी शुद्ध होने चाहिए। बेईमानी, शोषण, छल और भ्रष्टाचार से अर्जित धन चाहे कितनी भी बड़ी संपत्ति क्यों न बना दे, वह जीवन में शांति और समाज में सम्मान नहीं ला सकता। इसके विपरीत परिश्रम, ईमानदारी और नैतिकता से अर्जित सीमित धन भी जीवन को गरिमा प्रदान करता है। धनतेरस हमें संग्रह के साथ विसर्जन की चेतना देता है। जिस धन का प्रवाह समाज तक नहीं पहुँचता, वह अंततः जड़ हो जाता है। दान, सेवा, शिक्षा, चिकित्सा, जरूरतमंदों की सहायता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्थान में धन का उपयोग उसकी सार्थकता बढ़ाता है। दीपक की तरह धन भी तभी प्रकाश देता है, जब वह स्वयं जलकर दूसरों के जीवन में उजाला फैलाए। इसलिए धनतेरस पर हमें केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि इस वर्ष हमारी संपत्ति कितनी बढ़ी, बल्कि यह भी पूछना चाहिए कि हमारा संतोष कितना बढ़ा, हमारा चरित्र कितना मजबूत हुआ, हमारी करुणा कितनी गहरी हुई और हमारे धन से कितने जीवनों में उजाला आया। हमारे पास कार न हो, कोठी न हो, ऊँची कुर्सी न हो-कोई बात नहीं, लेकिन हमारे पास ईमान, इंसानियत, आत्मसम्मान, संयम और चरित्र अवश्य होना चाहिए। यही वह संपदा है जिसे न बाजार खरीद सकता है, न समय छीन सकता है। धनतेरस का दीप तभी सच्चे अर्थों में जलेगा, जब हमारे भीतर धन के साथ धर्म, समृद्धि के साथ संवेदना, भोग के साथ संयम और अधिकार के साथ उत्तरदायित्व का प्रकाश भी जले। धन की समृद्धि जीवन को सुविधापूर्ण बना सकती है, लेकिन चरित्र की समृद्धि ही जीवन को महान बनाती है। यही धनतेरस का सनातन संदेश है और यही आधुनिक समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

वाशिंगटन में 'ब्लू वेव', तेल का खेल और भारतीय बाजार की दीवाली: आर्थिक कूटनीति का नया क्षितिज



अशोक भाटिया

अमेरिका के मध्यावधि चुनावों के नतीजों ने न केवल वाशिंगटन के शक्ति संतुलन को उलट दिया है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की बिसात पर भी एक ऐसी हलचल पैदा कर दी है जिसका सीधा असर भारत के आम निवेशक की जेब और देश के राजकोष पर दिखने लगा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को सीनेट और प्रतिनिधि सभा दोनों सदनों में मिली करारी हार और डेमोक्रेटिक पार्टी की 'ब्लू वेव' ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों को एक नया संदेश दिया है। अमेरिकी इतिहास के इस महत्वपूर्ण राजनैतिक उलटफेर के पीछे का सबसे बड़ा कारण ईरान युद्ध और उसके कारण उपजी अभूतपूर्व वैश्विक महंगाई को माना जा रहा है। अमेरिकी मतदाताओं ने युद्ध की इस राजनीति को नकारते हुए ट्रम्प प्रशासन को घरेलू मोर्चे पर घुटनों पर ला दिया है। लेकिन इस राजनैतिक पराजय का जो सबसे दिलचस्प और सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है, वह है वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों का अचानक क्रैश हो जाना और उसके फलस्वरूप भारतीय शेयर बाजार में समय से पहले ही दीवाली के पटाखों की तरह फूटती तेजी। यह घटनाक्रम साबित करता है कि समकालीन दुनिया में भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र किस कदर एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं।

इस पूरे घटनाक्रम के आर्थिक गणित को समझने के लिए सबसे पहले कच्चे तेल और डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों के अंतसंर्बंधों का विश्लेषण करना जरूरी है। डोनाल्ड ट्रम्प के इस कार्यकाल का एक बड़ा हिस्सा मध्य पूर्व में तनाव और ईरान के साथ सीधे टकराव में बीता, जिसने वैश्विक तेल आपूर्ति श्रृंखला को बुरी तरह प्रभावित कर रखा था। युद्ध के बाद तेल की कीमतों में जो उछाल आया था, उसने पूरी दुनिया के साथ-साथ खुद अमेरिका के भीतर भी मुद्रास्फीति को बेलगाम कर दिया था। अब जब अमेरिकी संसद (कांग्रेस) पर डेमोक्रेट्स का पूर्ण नियंत्रण स्थापित हो चुका है, तो वाशिंगटन की आक्रामक विदेश नीति और युद्धप्रिय रुख पर एक मजबूत विधायी ब्रेक लग गया है। बाजार इस बात को अच्छी तरह समझ रहा है कि अब ट्रम्प प्रशासन मनमाने ढंग से युद्ध को और लंबा नहीं खींच पाएगा और न ही ऊर्जा बाजारों को अपनी शर्तों पर चला पाएगा। इसी राजनैतिक गतिरोध की संभावना ने तेल सटोरियों और वैश्विक तेल बाजार में एक भारी बिकवाली को जन्म दिया, जिससे कच्चे तेल की कीमतें औंधे मुंह गिर गईं। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी तेल जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है, कच्चे तेल की कीमतों में आई यह गिरावट किसी दैवीय वरदान से कम नहीं है।

कच्चे तेल की कीमतों का गिरना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक साथ कई मोर्चों पर संजीवनी का काम करता है, जिसका सीधा प्रतिबिंब दलाल स्ट्रीट पर देखने को मिल रहा है। जैसे ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम टूटे, भारतीय शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक, सेंसेक्स और निफ्टी, रिकॉर्ड ऊंचाई की तरफ दौड़ पड़े। बाजार की इस खुशी के पीछे ठोस आर्थिक तर्क हैं। जब कच्चा तेल सस्ता होता है, तो भारत का व्यापार घाटा (Trade Deficit) तेजी से कम होता है और चालू खाता घाटा नियंत्रण में आ जाता है। इससे

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले मजबूत होता है। डॉलर की मजबूती और तेल की सस्ती दरों का सीधा मतलब यह है कि भारत को तेल आयात करने के लिए कम विदेशी मुद्रा खर्च करनी होगी, जिससे देश के राजकोषीय स्वास्थ्य में सुधार होगा। यही कारण है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक जो पिछले कुछ समय से भारतीय बाजार से पूंजी निकाल रहे थे, वे एक बार फिर भारतीय इक्विटी में बड़े पैमाने पर खरीदारी करने लौटे हैं। बाजार को यह भरोसा हो गया है कि आने वाले समय में भारत की विकास दर को वैश्विक मंदी के बाद भी एक मजबूत सहारा मिलने जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, भारतीय कॉरपोरेट जगत के लिए कच्चे तेल का सस्ता होना सीधे तौर पर उनकी उत्पादन लागत को कम करता है। भारत में पेंट, टायर, लुब्रिकेंट्स, लॉजिस्टिक्स, एविएशन और प्लास्टिक जैसे दर्जनों उद्योग सीधे तौर पर कच्चे तेल या उसके डेरिवेटिव्स पर निर्भर हैं। तेल की कीमतें घटने से इन कंपनियों के मार्जिन में भारी सुधार होने की उम्मीद जग गई है। जब परिवहन और माल ढुलाई की लागत कम होती है, तो इसका एक व्यापक असर देश के भीतर आम उपभोक्ता वस्तुओं (FMCG) की कीमतों पर भी पड़ता है। यानी, जो महंगाई पिछले कई महीनों से भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) और आम नागरिकों के लिए सिरदर्द बनी हुई थी, उसमें अब गिरावट आने के आसार हैं। यदि महंगाई दर नियंत्रण में आती है, तो इस बात की पूरी संभावना बढ़ जाती है कि केंद्रीय बैंक आने वाली तिमाहियों में ब्याज दरों में कटौती का फैसला ले सकता है। ब्याज दरों का कम होना उद्योगों के लिए कर्ज सस्ता करेगा और देश में निजी निवेश के एक नए चक्र की शुरूआत होगी। शेयर बाजार इसी भविष्यगामी संभावना को भांपकर आज जश्न मना रहा है, जिसे विश्लेषक ₹अग्रिम दीवाली₹ की संज्ञा दे रहे हैं।

हालांकि, एक परिपक्व लेखकीय दृष्टि केवल इस तात्कालिक जश्न तक सीमित नहीं रह सकती; हमें इस सिक्के के दूसरे और अधिक जटिल पहलू पर भी नजर डालनी होगी। वाशिंगटन में ट्रम्प का कमजोर होना भारतीय कूटनीति और अर्थव्यवस्था के लिए एक दोधारी तलवार की तरह है। एक तरफ जहां हमें तेल की कीमतों में राहत मिली है और ट्रम्प की मनमानी व्यापारिक नीतियों पर अमेरिकी कांग्रेस का अंकुश लग गया है, वहीं दूसरी तरफ वाशिंगटन में पैदा होने वाला राजनीतिक गतिरोध एक नई अनिश्चितता को जन्म देगा। डेमोक्रेटिक पार्टी, जिसका अब अमेरिकी सीनेट और हाउस पर कब्जा है, पारंपरिक रूप से व्यापारिक मुद्दों पर भले ही थोड़ी उदार हो, लेकिन वह मानवाधिकारों, जलवायु परिवर्तन की शर्तों और आंतरिक श्रम कानूनों को लेकर भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर कड़ा दबाव बनाने के लिए जानी जाती है। आने वाले दिनों में, अमेरिकी संसद की विभिन्न कमिटियां भारत की घरेलू नीतियों, पर्यावरण मानकों और डेटा सुरक्षा कानूनों को लेकर तीखे सवाल उठा सकती हैं, जो भारतीय आईटी और फार्मास्यूटिकल जैसे प्रमुख निर्यात क्षेत्रों के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर सकते हैं।

इसके साथ ही, हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि डोनाल्ड ट्रम्प भले ही संसद में अपना बहुमत खो चुके हैं, लेकिन वे अभी भी अगले दो साल तक अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर बने रहेंगे। एक घायल और राजनैतिक रूप से कमजोर राष्ट्रपति कई बार घरेलू मोर्चे पर अपनी विफलता से ध्यान भटकाने के लिए विदेश नीति में अप्रत्याशित और आक्रामक फैसले लेने की कोशिश करता है। ट्रम्प अपनी 'अमेरिका फर्स्ट' की छवि को बचाने के लिए भारत सहित अन्य विकासशील देशों के खिलाफ कुछ ऐसे कार्यकारी आदेश भी जारी कर सकते हैं जिन्हें संसद की मंजूरी की जरूरत न हो, जैसे कि एच-1बी वीजा नियमों को और कड़ा करना या विशिष्ट भारतीय उत्पादों पर प्रतिबंध लगाना। इसलिए, भारतीय नीति निमार्ताओं को इस तात्कालिक बाजार की तेजी के उत्साह में बहने के बजाय एक दीर्घकालिक और संतुलित रणनीति तैयार करनी होगी।

गौरतलब है कि अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद वैश्विक मंच पर जो नई आर्थिक और राजनैतिक बिसात बिछी है, उसने भारत को एक रणनीतिक बढ़त जरूर दी है। कच्चे तेल का क्रैश होना और भारतीय शेयर बाजार में पटाखों की तरह गूंजती तेजी इस बात का प्रमाण है कि भारत इस समय वैश्विक उथल-पुथल के बीच भी एक मजबूत आर्थिक द्वीप के रूप में खड़ा है। लेकिन वास्तविक समझदारी इस बात में होगी कि हम इस तात्कालिक आर्थिक लाभ का उपयोग देश के आंतरिक सुधारों को गति देने में करें। भारत को अपनी ऊर्जा निर्भरता को पारंपरिक कच्चे तेल से हटाकर नवीकरणीय ऊर्जा की तरफ तेजी से मोड़ना होगा, ताकि भविष्य में अमेरिकी चुनावों या मध्य पूर्व के युद्धों पर हमारी आर्थिक स्थिरता निर्भर न रहे। वाशिंगटन की 'ब्लू वेव' ने भारतीय बाजार को दिवाली मनाने का अवसर तो दे दिया है, लेकिन इस उजियारे के पीछे छिपे कूटनीतिक और आर्थिक अंधरों से निपटने के लिए नई दिल्ली को अपनी तैयारी अभी से चाक-चौबंद रखनी होगी। अंतरराष्ट्रीय राजनीति का यह नया दौर चेहरों के पीछे भागने का नहीं, बल्कि संस्थागत और आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करने का है।

यूपी में प्रियंका की परीक्षा, कांग्रेस की ताकत बनाम सीटों की चाह



-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सबसे बड़ी मुश्किल भाजपा नहीं, अपनी राजनीतिक हैसियत का भ्रम है। पार्टी अभी संगठन खड़ा करने की स्थिति में है, लेकिन चर्चा सीटों की ऐसी दावेदारी की हो रही है, जैसे प्रदेश की राजनीति में उसका स्वतंत्र जनाधार निर्णायक हो। प्रियंका गांधी वाड्रा को चुनावी तैयारी और समाजवादी पार्टी से तालमेल की जिम्मेदारी देना इसी विरोधाभास को उजागर करता है। सवाल सीधा है, प्रियंका कांग्रेस को अपने पैरों पर खड़ा करेंगी या अखिलेश यादव के सामने पार्टी की कमजोरियों का हिसाब लेकर जाएंगी? तीन नवंबर को प्रियंका ने उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर संगठन, चुनावी समितियों, प्रचार और सपा के साथ सीट बंटवारे पर चर्चा की। दिवाली के बाद बातचीत आगे बढ़ाने की बात कही गई है। बीस नवंबर के बाद वोट चोरी के मुद्दे पर प्रदेश में रैलियां करने की तैयारी भी है। लेकिन अभी सीटों का कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है और रैलियों के स्थान-तारीख भी तय नहीं हैं। यानी कांग्रेस के पास फिलहाल तैयारी की घोषणा है, चुनावी ताकत का प्रमाण नहीं। प्रियंका की वापसी को कांग्रेस का तुरुप का इक्का बताने वाले 2019 और 2022 का हिसाब क्यों भूल जाते हैं? 2019 में उन्हें पूर्वी उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी दी गई थी। नतीजा यह हुआ कि कांग्रेस राज्य की 80 लोकसभा सीटों में सिर्फ रायबरेली बचा पाई और अमेठी में राहुल गांधी तक हार गए। 2022 के विधानसभा चुनाव में प्रियंका ने महिला-केंद्रित अभियान चलाया, ह्यलड़की हूं, लड़ सकती हूंह्ण का नारा दिया और लगातार प्रचार किया। फिर भी कांग्रेस 403 में से केवल दो सीटें जीत सकी। उसका वोट हिस्सा 2.33 प्रतिशत पर सिमट गया।

कांग्रेस के समर्थक 2024 के लोकसभा चुनाव को अपनी वापसी का प्रमाण बताते हैं। उत्तर प्रदेश में पार्टी ने सपा के साथ 17 सीटों पर चुनाव लड़ा और छह जीतीं। सपा ने 62 सीटों पर लड़कर 37 सीटें हासिल कीं। कांग्रेस का वोट हिस्सा करीब 9.5 प्रतिशत रहा। लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय मुद्दे और गठबंधन की लहर काम करती है; विधानसभा में हर सीट पर स्थानीय चेहरा, जातीय समीकरण, बूथ प्रबंधन और वर्षों का संपर्क निर्णायक होता है। अखिलेश यादव की राजनीतिक स्थिति कांग्रेस से कहीं मजबूत है। 2022 में सपा ने 111 सीटें जीती थीं और 32.06 प्रतिशत वोट पाए थे। कांग्रेस दो सीटों पर सिमटी थी। 2024 में सपा 37 लोकसभा सीटें जीतकर प्रदेश में विपक्ष की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी। ऐसे में अखिलेश कांग्रेस को साथ रख सकते हैं, लेकिन उसे अपनी शर्तों पर जगह देंगे, यह मानकर चलना ज्यादा यथार्थवादी है। कांग्रेस की कथित 175 सीटों की सूची और 125 सीटों की शुरूआती महत्वाकांक्षा पर सबसे बड़ा सवाल यही है कि जीतने की क्षमता का पैमाना क्या है? 2024 के लोकसभा नतीजों के विधानसभा-खंडवार विश्लेषण में कांग्रेस कुछ क्षेत्रों में आगे और कई में दूसरे स्थान पर रही। लेकिन दूसरे नंबर पर होना जीत की तैयारी नहीं है। हर सीट पर बूथवार आंकड़े, पिछले विधानसभा परिणाम, उम्मीदवार की स्वीकार्यता और सपा के संगठन की मौजूदगी देखे बिना दावा करना राजनीतिक गणित नहीं, मोलभाव की ऊंची बोली है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसान, जाट, मुस्लिम और स्थानीय नेतृत्व के समीकरण अलग हैं। अवध में सपा का पुराना नेटवर्क कांग्रेस की दावेदारी को चुनौती देगा। बुंदेलखंड में कांग्रेस को पहले कार्यकर्ता और प्रभावशाली उम्मीदवार खोजने होंगे। पूर्वांचल में जातीय गोलबंदी, स्थानीय क्षत्रप और भाजपा का संगठन चुनाव को कठिन बनाएंगे। पार्टी के पास चेहरे, मुद्दे, बूथ प्रभारी और चुनाव के दिन मतदाता को मतदान केंद्र तक लाने वाली मशीनरी होनी चाहिए। कांग्रेस की असली कमजोरी यही है। जिला इकाइयां कितनी सक्रिय हैं? कितने विधानसभा क्षेत्रों में उसके पास ऐसा नेता है, जो अपने दम पर मुकाबला कर सके? कितने बूथों पर प्रशिक्षित कार्यकर्ता मौजूद हैं? कितने पुराने नेता पार्टी के लिए जमीन पर काम कर रहे हैं और कितने केवल टिकट की प्रतीक्षा में हैं? इन सवालों का जवाब दिए बिना प्रियंका की बैठकें तस्वीरें तो बना सकती हैं, चुनावी ढांचा नहीं। गुटबाजी, निष्क्रियता और टिकट के लिए खींचतान पर लगाम लगाना किसी भी रैली से ज्यादा जरूरी है। 2017 का अनुभव भी चेतावनी देता है। सपा-कांग्रेस गठबंधन ने बड़े प्रचार और साझा नारे के साथ चुनाव लड़ा था, लेकिन सपा 47 और कांग्रेस सात सीटों पर सिमट गई। 2027 में भी अगर दोनों दलों के समर्थक एक-दूसरे के उम्मीदवार को अपना उम्मीदवार नहीं मानेंगे, तो भाजपा को विपक्ष की आपसी खींचतान का सीधा लाभ मिलेगा। भाजपा को केवल सत्ता-विरोधी नारों से नहीं हराया जा सकता। 2022 में उसने 255 सीटें और 41.29 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। उसके पास बूथ स्तर तक फैला संगठन, संसाधन, नेतृत्व और सत्ता का लाभ है। कांग्रेस और सपा को बेरोजगारी, महंगाई, भर्ती परीक्षाओं, किसानों, महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य पर ठोस विकल्प देना होगा। ह्यवोट चोरीह्ण का आरोप राजनीतिक मुद्दा बन सकता है, लेकिन मतदाता यह भी पूछेगा कि उसकी रोजमर्रा की जिंदगी में बदलाव का रास्ता क्या है। प्रियंका के सामने इसलिए दोहरी परीक्षा है। उन्हें कांग्रेस के भीतर अनुशासन और संगठन पैदा करना है, साथ ही अखिलेश के सामने ऐसी सीटों का दावा रखना है, जिन पर जीतने की वास्तविक संभावना हो। अगर कांग्रेस अपनी ताकत से ज्यादा सीटें मांगती है, तो बातचीत टकराव में बदल सकती है। अगर बिना लड़े पीछे हटती है, तो कार्यकर्ताओं का मनोबल और पार्टी की पहचान दोनों कमजोर होंगे। सही रास्ता है सीटों की संख्या नहीं, जीतने योग्य सीटों का ठोस और पारदर्शी हिसाब। यही सबसे कठिन राजनीतिक कसौटी है। प्रियंका गांधी को यह भी तय करना होगा कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में स्वतंत्र राजनीतिक पहचान बनाएगी या हर चुनाव में गठबंधन की छतरी तलाशेगी। 2024 ने दिखाया कि सपा के साथ आने से कांग्रेस को राहत मिली; लेकिन राहत और राजनीतिक पुनर्जीवन एक बात नहीं हैं। राहुल गांधी ने प्रियंका को जिम्मेदारी देकर कांग्रेस की उम्मीदें उनके कंधों पर रख दी हैं। अब उन्हें भाषणों और बैठकों से आगे बढ़कर बूथ, उम्मीदवार और संगठन की कठोर परीक्षा देनी होगी। अखिलेश यादव भी भावनाओं से नहीं, चुनावी लाभ से फैसला करेंगे। 2027 में कांग्रेस की असली हैसियत इस बात से तय नहीं होगी कि वह कितनी सीटें मांगती है, बल्कि इससे होगी कि कितनी सीटों पर भाजपा और सपा दोनों को चुनौती देने की ताकत रखती है। वरना प्रियंका की कमान के बावजूद कांग्रेस एक बार फिर अपनी राजनीति नहीं, अपनी मजबूरी का सौदा करती दिखाई देगी।

अखिलेश के मुस्लिम किले पर ओवैसी की सियासी चोट



स्वदेश कुमार

अखिलेश के सामने दोहरी कसौटी है। उन्हें मुस्लिम मतदाताओं का भरोसा भी बनाए रखना है और पिछड़े-दलित समूहों को भी साथ रखना है। टिकट वितरण, संगठन और फैसलों में मुस्लिम नेताओं की भूमिका सीमित दिखी तो ओवैसी का सवाल धार पकड़ेगा। हर सीट पर मुस्लिम उम्मीदवार उतारना समाधान नहीं; सपा को दिखाना होगा कि उसके मुस्लिम नेता प्रचार और वोट जुटाने तक सीमित नहीं, बल्कि नीति, संगठन और सत्ता में भी भागीदार हैं। भाजपा को रोकने के नाम पर स्थायी समर्थन मांगना पर्याप्त नहीं होगा।

अमेरिका के मिशिगन में अब्दुल अल-सयद की जीत ने हजारों किलोमीटर दूर उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहस छेड़ दी है। अमेरिकी सीनेट पहुंचने वाले पहले मुस्लिम नेता की सफलता को एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने यूपी के राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जोड़ दिया। उनका संदेश है अब ह्यअब्दुलह्ण दूसरों की पार्टियों के लिए दरी नहीं बिछाएगा, खुद नेता और विधायक बनेगा। नारा असरदार है, लेकिन इसकी चुनावी राह आसान नहीं। सवाल है कि क्या ओवैसी असंतोष को भरोसे, संगठन और सीटों में बदल पाएंगे? तीन नवंबर 2026 को हुए अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल-सयद ने रिपब्लिकन माइक रोजर्स को हराया। 42 वर्षीय अल-सयद डॉक्टर और मिशिगन के पूर्व सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी हैं। उनके अभियान में स्वास्थ्य सेवाएं, महंगाई, कामकाजी परिवारों की मुश्किलें और राजनीति में कॉरपोरेट धन का प्रभाव प्रमुख मुद्दे रहे। वह अमेरिकी सीनेट के पहले मुस्लिम सदस्य होंगे। लेकिन इसे केवल धार्मिक पहचान की जीत कहना उनकी राजनीति को छोटा करना होगा। उन्होंने पहचान के साथ आर्थिक परेशानियों को भी चुनावी विमर्श के केंद्र में रखा।

ओवैसी ने इस जीत को यूपी की सियासत का आईना बनाने की कोशिश की। चार नवंबर की पोस्ट में उन्होंने कहा कि मिशिगन में एक अब्दुल जीत गया, अब उत्तर प्रदेश के अब्दुल को अपनी सियासी पहचान मजबूत करनी होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि ह्यअब्दुलह्ण को तंज बनाया गया और मुस्लिम समाज को चुनाव में भीड़ और वोट की तरह इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन नेतृत्व और फैसलों में बराबर जगह नहीं मिलती। यह बात प्रतिनिधित्व की पुरानी शिकायत को छूती है। यह बहस केवल दलों की प्रतिस्पर्धा नहीं, लोकतंत्र में हिस्सेदारी, जवाबदेही और राजनीतिक आत्मसम्मान की भी कसौटी बनेगी। 2011 की जनगणना के अनुसार यूपी में मुस्लिम आबादी 19.26 प्रतिशत थी। यह बड़ा सामाजिक समूह है, लेकिन इसे एकमुश्त वोट बैंक मानना गलत होगा। पश्चिमी यूपी, रुहेलखंड, तराई और पूर्वांचल में स्थानीय समीकरण अलग हैं। कहीं उम्मीदवार की छवि, कहीं गठबंधन और कहीं भाजपा को हराने की संभावना निर्णायक होती है। मुस्लिम मतदाता भी एक जैसे फैसले नहीं लेते। इसलिए 143 सीटों पर उनके निर्णायक होने जैसे दावों को क्षेत्रवार प्रमाण के बिना दोहराना ठीक नहीं। संख्या राजनीतिक महत्व बताती है, हर सीट पर जीत की गारंटी नहीं।

सपा की चुनौती इसलिए गंभीर है कि उसका मुस्लिम-यादव यानी एमवाई आधार लंबे समय से चुनावी ताकत रहा है। 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा को 32.06 प्रतिशत वोट मिले और उसने 111 सीटें जीतीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में उसने उत्तर प्रदेश की 80 में से 37 सीटें जीतकर विस्तार दिखाया। अखिलेश यादव ने पीडीए पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के जरिए सामाजिक गठबंधन व्यापक बनाने की कोशिश की। इस सफलता में मुस्लिम समर्थन अहम रहा, मगर इसे केवल मुस्लिम वोटों का परिणाम बताना सरलीकरण होगा। अखिलेश के सामने दोहरी कसौटी है। उन्हें मुस्लिम मतदाताओं का भरोसा भी बनाए रखना है और पिछड़े-दलित समूहों को भी साथ रखना है। टिकट वितरण, संगठन और फैसलों में मुस्लिम नेताओं की भूमिका सीमित दिखी तो ओवैसी का सवाल धार पकड़ेगा। हर सीट पर मुस्लिम उम्मीदवार उतारना समाधान नहीं; सपा को दिखाना होगा कि उसके मुस्लिम नेता प्रचार और वोट जुटाने तक सीमित नहीं, बल्कि नीति, संगठन और सत्ता में भी भागीदार हैं। भाजपा को रोकने के नाम पर स्थायी समर्थन मांगना पर्याप्त नहीं होगा।

ओवैसी की राह में सबसे बड़ी बाधा उनका चुनावी रिकॉर्ड है। 2022 में एआईएमआईएम ने करीब 95 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, लेकिन एक भी सीट नहीं जीती। उसे लगभग 4.51 लाख वोट और 0.49 प्रतिशत मत मिले। पार्टी ने मौजूदगी दर्ज कराई, पर विधानसभा में प्रतिनिधित्व नहीं पा सकी। 2017 में भी उसका प्रदर्शन सीमित रहा। ह्यअपना नेतृत्वह्ण बनाने की अपील को बूथ स्तर के संगठन, स्थानीय चेहरों और भरोसेमंद उम्मीदवारों से जोड़ना होगा। केवल सभाओं से 403 सीटों वाले राज्य में जमीन नहीं बनती। मुस्लिम युवाओं के बीच प्रतिनिधित्व का सवाल अहम हो सकता है। शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाएं, छोटे कारोबार, सुरक्षा और स्थानीय निक

काशीगांव पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कोबरा प्रजाति के सांपों के विष की तस्करी करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

◆5.22 करोड़ रुपये का कीमती माल जब्त; दो अन्य आरोपियों को भी मुंबई से हिरासत में लिया गया, वन्यजीव तस्करी के बड़े नेटवर्क का खुलासा



मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध प्रकटीकरण शाखा ने वन्यजीवों की अवैध तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कोबरा प्रजाति के सांपों के विष की तस्करी करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने इस मामले में कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से लगभग 5 करोड़ 22 लाख 40 हजार 100 रुपये कीमत का माल जब्त किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 29 अक्टूबर 2026 को काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध प्रकटीकरण शाखा के सहायक पुलिस निरीक्षक सुहास कांबले को अपने गुप्त मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली थी कि कुछ व्यक्ति काशीगांव पुलिस थाना क्षेत्र में कोबरा प्रजाति के सांपों का विष बेचने के लिए आने वाले हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटिल के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने जाल बिछाकर कार्रवाई की योजना बनाई। इसके बाद सुहास कांबले और उनकी टीम ने अलग-अलग वेशभूषा में काशीगांव स्थित दोड़िया पेट्रोल पंप के पास निगरानी रखी। इसी दौरान संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पंचों की मौजूदगी में उनकी तलाशी ली गई। पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान इस प्रकार है:1. फैजान अब्दुल अजीज (30), निवासी मेट्रोपोलिस, सेक्टर-14, तलोजा, नवी मुंबई। 2. अब्दुल करीम रशीद अहमद शेख (51), निवासी एफ सेक्टर, चिता कैंप, मानखुर्द, मुंबई। 3. मोहम्मद दानिश फहीम खान (23), निवासी डी सेक्टर, चिता कैंप, मानखुर्द, मुंबई। तलाशी के दौरान आरोपी मोहम्मद दानिश फहीम खान के पास मौजूद काले बैग में रखी कांच की बोतल से लगभग 250 मिलीग्राम कोबरा सांप का विष बरामद हुआ। वहीं, अब्दुल करीम रशीद अहमद शेख के पास से लगभग 260 मिलीग्राम सांप का विष मिला। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक बजाज मोटरसाइकिल और तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए। इस कार्रवाई में कुल 5,22,40,100 रुपये कीमत का माल जब्त किया गया। जांच में दो और आरोपियों का खुलासा मामले की आगे की जांच के दौरान गिरफ्तार आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने मुंबई से दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया। इनमें फर्ख अली अब्दुल अली (37), निवासी चिता कैंप, मानखुर्द, तथा नूर मोहम्मद वली मोहम्मद शेख (47), निवासी चिता कैंप, मानखुर्द शामिल हैं। इस मामले में काशीगांव पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 605/2026 के तहत वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 एवं वर्ष 2023 के संशोधित प्रावधानों के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि सांपों का विष कहां से लाया जाता था और इस अवैध कारोबार में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अपर पुलिस आयुक्त संजय शिंदे, पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण, सहायक पुलिस आयुक्त गणपत पिंगले तथा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटिल के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में अपराध प्रकटीकरण शाखा के सहायक पुलिस निरीक्षक सुहास कांबले, सहायक फौजदार अनिल शिंदे, सफौ जयप्रकाश जाधव, पुलिस हवलदार प्रताप पाचुंदे, किरण बीरकर, नामदेव देवकते, प्रवीण टोबरे, दीपक कुलकर्णी, अर्जुन बोरसे, अभिषेक मडावी, रविंद्र सोनावणे तथा अन्य पुलिसकर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वन्यजीवों की अवैध तस्करी और इस तरह के गैरकानूनी कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

दीवाली पर मुंबई, पुणे में प्राइवेट बस यात्रियों से 7000 तक किराया वसूली, महाराष्ट्र के मंत्री पर भड़के लोग

मुंबई। दीवाली पर घर जाने वालों को हर साल मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। बस, ट्रेन और हवाई जहाज में जगह नहीं मिलती। हवाई जहाज का किराया तो इतना बढ़ जाता है कि आम इंसान के लिए यात्रा करना नमुमकिन हो जाता है। अब मुंबई में यात्रियों ने आरोप लगाया है कि दीवाली से पहले निजी पर्यटक बस संचालक सामान्य किराये से दो से तीन गुना अधिक किराया वसूल रहे हैं। कुछ मार्गों पर टिकट की कीमत 7,000 रुपये तक पहुंचने की खबर है। कुछ यात्रियों ने कथित तौर पर बस किराये को नियंत्रित करने में नाकाम रहने को लेकर सोशल मीडिया पर महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक और उनके विभाग की आलोचना की है। सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति ने दावा किया कि एक मार्ग पर बस का किराया 700 रुपये से बढ़कर 4,000 रुपये हो गया है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक अन्य व्यक्ति ने कहा, ह्वक्या निजी बसों के टिकट की कीमतों पर कोई नियम-कायदे नहीं हैं? किराया 6,000-7,000 रुपये तक पहुंच गया है, जो लगभग हवाई टिकटों के बराबर है। आखिरी समय में टिकट बुक करने वाले लोग क्या करें? क्या वे अपने पेइंग गेस्ट आवास में ही दीवाली मनाएं? एक अन्य एक्स यूजर ने सवाल किया कि मंत्री सो रहे हैं या सोने का नाटक कर रहे हैं।

मिठाई मैराथन: त्योहारी स्नैकिंग और मौखिक स्वास्थ्य पर डेंटिस्ट डॉ. सोनिया दत्ता की राय

मुंबई/पटना। त्योहारों का मौसम आते ही मिठाइयाँ हमारे उत्सव का अभिन्न हिस्सा बन जाती हैं। दोस्तों और परिवार के बीच मिठाइयों के डिब्बों के आदान-प्रदान से लेकर कार्यस्थल और सामुदायिक आयोजनों में मिलने वाले खास ट्रीट तक, हममें से कई लोग दिन में कई बार कुछ मीठा खाने के लिए आकर्षित होते हैं। त्योहारों पर अपनी पसंदीदा मिठाइयों का आनंद लेना हमारी एक प्रिय परंपरा है, लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि बार-बार कुछ खाते रहने की आदत हमारे मौखिक स्वास्थ्य को किस तरह प्रभावित कर सकती है।

ज्यादातर लोग त्योहारों के दौरान खाई जाने वाली मिठाइयों की मात्रा पर ध्यान देते हैं, लेकिन आप कितनी बार मिठाइयां खाते हैं, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जब भी हम मीठी चीजें खाते हैं, तो मुंह में पहले से मौजूद बैक्टीरिया इन शर्करा (शुगर) को खाते हैं और एसिड बनाते हैं। ये एसिड दांतों के इनेमल को कमजोर कर सकते हैं, जिससे कैविटी और दांतों से जुड़ी अन्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। अगर हम दिन भर थोड़ी-थोड़ी देर में मिठाइयां खाते रहते हैं, तो हमारे दांतों पर बार-बार एसिड का हमला होता है। ऐसे में लार को इन एसिड के असर को बेअसर करने और मुंह की प्राकृतिक रिकवरी प्रक्रिया में मदद करने के लिए बहुत कम समय मिल पाता है।

म्हाडा वसाहतों के पुनर्विकास और BSUP के 4,831 घरों का रास्ता साफ करने की पहल, मंत्री प्रताप सरनाईक की उच्चस्तरीय बैठक

◆लीज रेंट माफी का प्रस्ताव मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री को भेजा जाएगा; PPP मॉडल पर BSUP परियोजना पूरी करने की संभावना तलाशने के निर्देश

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ओवला-माजिवड़ा विधानसभा क्षेत्र की म्हाडा वसाहतों के पुनर्विकास, रहिवासियों की लीज रेंट (पट्टा किराया) संबंधी समस्याओं और मीरा-भायंदर में इरवढ योजना के तहत अधूरे पड़े घरों का मुद्दा सुलझाने के लिए महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने 5 नवंबर 2026 को बांद्रा स्थित म्हाडा मुख्यालय में उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में वर्षों से लंबित आवासीय समस्याओं के समाधान और पुनर्विकास परियोजनाओं को गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। बैठक में वर्तक नगर, लोकमान्य नगर और माजिवड़ा सहित विधानसभा क्षेत्र की लगभग 40 वर्ष पुरानी म्हाडा वसाहतों के पुनर्विकास में आ रही बाधाओं, अटकी हुई परियोजनाओं, विकासकों द्वारा किराये का भुगतान नहीं किए जाने अथवा अनियमित भुगतान, लीज रेंट और जमीन के रिकॉर्ड से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री प्रताप सरनाईक ने



पुनर्विकास में देरी करने वाले विकासकों के खिलाफ कानूनी विकल्पों की जांच करने, रहिवासियों का बकाया किराया दिलाने तथा FSI और UDCPR नियमों से जुड़ी तकनीकी समस्याओं को दूर करने के लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। BSUP योजना के 4,831 घरों को पूरा करने के लिए PPP मॉडल पर विचार मीरा-भायंदर की BSUP योजना का महत्वपूर्ण मुद्दा भी बैठक में उठाया गया। इस योजना के तहत लगभग 81 हजार वर्ग मीटर यानी 20 एकड़ क्षेत्र में कुल 4,831 घरों का निर्माण प्रस्तावित है, लेकिन निधि की कमी के कारण यह परियोजना लंबे समय से अटकी हुई है। इस परियोजना को नागपुर की तर्ज पर सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत विशेष परियोजना के रूप में पूरा करने की संभावना पर चर्चा की गई। मंत्री ने म्हाडा को इस संबंध में विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। परियोजना को पूरा करने के लिए निजी विकासकों की भागीदारी, नियमानुसार बिक्री योग्य अतिरिक्त निर्माण क्षेत्र के उपयोग तथा म्हाडा और SRA के समन्वय से काम पूरा करने की व्यवहार्यता की जांच की जाएगी। इस मॉडल के माध्यम से सरकार को लगभग 6 हजार नए घर उपलब्ध होने की संभावना भी जताई गई। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि जमीन, मालिकाना हक, निर्माण अनुमति, आर्थिक व्यवहार्यता और कानूनी पहलुओं का गहन अध्ययन कर पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से निर्धारित की जाए। साथ ही मूल पात्र लाभार्थियों को उनके हक के घर अवश्य मिलें, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। लीज रेंट माफी के लिए मुख्यमंत्री से करेंगे पहल म्हाडा की जमीन पर बनी पुरानी इमारतों के पुनर्विकास के दौरान रहिवासियों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम करने के उद्देश्य से लीज रेंट माफी का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा।

ठाणे कोर्ट ने गर्भवती पत्नी की दहेज हत्या में पति को सुनाई 10 साल की सजा

ठाणे। ठाणे की एक अदालत ने 2021 में अपनी गर्भवती पत्नी की दहेज हत्या के मामले में उसके पति को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने कहा कि महिला को पैसे और कार की मांग को लेकर हिंसा तथा उत्पीड़न का सामना करना पड़ा था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जी.टी. पवार ने बुधवार को अपने फैसले में कहा कि महिला के शरीर पर मौजूद चोट के निशान और आरोपी द्वारा इन चोटों के बारे में कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण न दे पाना, मारपीट के संबंध में गवाहों के बयानों की पुष्टि करता है।

अदालत ने मैकेनिकल इंजीनियर इंद्रजीत जयराजराव दवाले (38) को भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए (क्रूरता) और 304बी (दहेज हत्या) के तहत दोषी ठहराया और उस पर 15,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अभियुक्त परिवीक्षा अपराधी अधिनियम के लाभ का हकदार नहीं है। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि पीड़िता का स्त्रीधन (सोने के आभूषण और अन्य सामान) उचित सत्यापन के बाद उसकी मां को लौटा दिया जाए।

अतिरिक्त लोक अभियोजक मनीषा एन पावसे ने अदालत को बताया कि पीड़िता मेघा भी मैकेनिकल इंजीनियर थीं और एक निजी कंपनी में काम करती थीं। आरोपी से उसकी शादी 23 जुलाई, 2017 को हुई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार 27 जून 2021 को महाराष्ट्र के ठाणे शहर में अपने फ्लैट में मेघा कथित तौर पर फंदे से लटकी हुई पाई गई थी।

एक जुलाई 2021 को मेघा की मौत हो गयी थी। मेघा 14 से 16 सप्ताह की गर्भवती थीं।

महात्मा ज्योतिबा फुले कौशल प्रशिक्षण केंद्र; पहले चरण में 100 केंद्रों को मंजूरी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज के तेजी से बदलते तकनीकी और प्रतिस्पर्धात्मक युग में युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए कौशल विकास पर जोर देने के उद्देश्य से कौशल विकास विभाग ने महात्मा ज्योतिबा फुले कौशल प्रशिक्षण केंद्र योजना शुरू की है। गुरुवार को मेट्रो चौक स्थित एल्फिंस्टन टेक्निकल हाई स्कूल परिसर के दक्ष हॉल में महात्मा ज्योतिबा फुले कौशल विकास योजना का ऑनलाइन उद्घाटन संपन्न हुआ। इस योजना का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा के हाथों किया गया। इस योजना के अंतर्गत केवल 300 वर्ग फुट की जगह में कौशल प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने की अनुमति दी गई है तथा पहले चरण में राज्य के १०० केंद्रों को प्रायोगिक आधार पर मंजूरी दी गई है। इनमें से १२ केंद्रों का उद्घाटन किया गया। इस पहल के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण को गांव-



गांव और बस्ती-बस्ती तक पहुंचाने का सरकार का प्रयास है।

मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले कौशल प्रशिक्षण केंद्र भारत की पहली ऐसी पहल है। राज्य के झुग्गी-बस्तियों, दुर्गम, पहाड़ी, नक्सल प्रभावित और आदिवासी क्षेत्रों के जरूरतमंद युवक-युवतियों को कौशल विकास प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्रमोद महाजन कौशल विकास एवं उद्यमिता अभियान (PMKUVA) के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने के लिए जगह संबंधी मानदंडों में छूट दी गई है और अब न्यूनतम 300 से 1500 वर्ग फुट जगह में भी प्रशिक्षण केंद्र शुरू किए जा सकते हैं। नागपुर, डहाणू-पालघर, नंदुरबार, यवतमाल, पुणे, मुंबई, सिंधुदुर्ग और जलगांव जिलों में 12 केंद्रों का उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर कौशल विकास, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग के आयुक्त डॉ. अमित सैनी, रतन टाटा महाराष्ट्र राज्य कौशल विश्वविद्यालय की कुलगुरु डॉ. अपूर्वा पालकर, महाराष्ट्र राज्य नवाचार सोसायटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. श्रीकांत पाटील, व्यवसाय शिक्षा एवं प्रशिक्षण निदेशालय के संचालक सतीश सूर्यवंशी सहित अन्य उपस्थित थे।

नई इलेक्ट्रिक जीएलसी: इलेक्ट्रिक भविष्य के लिए मेड इन इंडिया

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और माननीय उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने मर्सिडीज-बेंज की अत्याधुनिक विनिर्माण इकाई से मेड इन इंडिया इलेक्ट्रिक जीएलसी एसयूवी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मर्सिडीज-बेंज एजी के निदेशक मंडल के सदस्य भी उपस्थित रहे।

भारत हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण बाजार है और यहां हमें भविष्य में विकास की अपार संभावनाएं दिखाई देती हैं। ग्राहकों की नई पीढ़ी मर्सिडीज-बेंज को अपना रही है और हम उनके लिए अब तक के अपने सबसे मजबूत उत्पाद पोर्टफोलियो पेश कर रहे हैं। इलेक्ट्रिक जीएलसी हमारी भविष्य की दिशा को दशार्ती है। इसमें जीएलसी की वे सभी खूबियां मौजूद हैं, जिन्हें ग्राहक पसंद करते हैं, लेकिन अब इन्हें इलेक्ट्रिक युग के अनुरूप पेश किया गया है। इसमें मर्सिडीज-बेंज की खास डिजाइन, आराम और आधुनिक तकनीक के साथ इलेक्ट्रिक वाहन का शानदार प्रदर्शन भी मिलता है। इलेक्ट्रिक जीएलसी को बाजार में पहले से ही जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह अपने सेगमेंट में नए मानक स्थापित करेगी और इलेक्ट्रिक वाहन चलाने के अनुभव को ग्राहकों के लिए और अधिक आकर्षक बनाएगी। भारत मर्सिडीज-बेंज के लिए एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण देश है। यह न केवल हमारा प्रमुख बाजार है, बल्कि हमारे अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास नेटवर्क का भी अभिन्न हिस्सा है। एमबी.ओएस तकनीक पर आधारित पूरी तरह इलेक्ट्रिक जीएलसी भारतीय ग्राहकों के लिए हमारी नवीनतम डिजिटल तकनीकों को लेकर आई है। यह ग्राहकों को एक सहज, सरल और आपस में जुड़ा हुआ अनुभव प्रदान करती है। इसके साथ ही भारत में हमारे इंजीनियर उन तकनीकों के विकास में योगदान दे रहे हैं, जो वैश्विक स्तर पर मर्सिडीज-बेंज के भविष्य को आकार देंगी। स्थानीय विशेषज्ञता, वैश्विक नवाचार और भारत में ही विनिर्माण का यह मेल इस जीएलसी को विशेष बनाता है। डीज-बेंज ग्रुप एजी के प्रबंधन मंडल के सदस्य एवं मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (विकास एवं खरीद) महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और मर्सिडीज-बेंज एजी के निदेशक मंडल के सदस्यों की उपस्थिति में इलेक्ट्रिक जीएलसी को उत्पादन इकाई से रवाना किया जाना भारत में मर्सिडीज-बेंज के इतिहास का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

चुनाव आयोग की मांग खारिज, बॉम्बे हाई कोर्ट ने 10 दिनों में मतदाता सूची अपडेट करने को कहा

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा पीठ ने गुरुवार को एक ऐसे परिवार को राहत दी, जिनके नाम मतदाता सूची से गायब थे। कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह 10 दिनों के भीतर उनके नाम मतदाता सूची में शामिल करे। कोर्ट ने आयोग से कहा कि नाम जोड़ने से पहले वह परिवार के पते की पुष्टि कर ले। न्यायमूर्ति वाल्मीकि मेनेजेस और न्यायमूर्ति अमित जामसांडेकर की पीठ ने स्पष्ट किया कि भले ही सुप्रीम कोर्ट 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (SIR) से जुड़े एक अलग मामले की सुनवाई कर रहा है, लेकिन यह याचिका उस मामले से संबंधित नहीं है। पीठ ने कहा कि हम याचिका स्वीकार कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट SIR के मुद्दे पर सुनवाई कर रहा है, लेकिन यह रक्फ़का मामला नहीं है। चुनाव आयोग की ओर से पेश हुए गौरीश अग्नि ने आदेश पर रोक लगाने की मांग की, ताकि आयोग सुप्रीम कोर्ट में इसे चुनौती दे सके। हालांकि, हाई कोर्ट ने इस अनुरोध को खारिज कर दिया। यह मामला परेश वसंत सालगांवकर और उनके परिवार के पांच अन्य सदस्यों से जुड़ा है, जो गोवा के सांता क्रूज विधानसभा क्षेत्र में रहते हैं। परिवार ने उसी विधानसभा क्षेत्र के भीतर अपना निवास स्थान बदल लिया था और अपने बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) के निर्देश पर पता बदलने के लिए 'फॉर्म 8' (Form 8) जमा किया था। हालांकि, SIR प्रक्रिया के दौरान जारी की गई ड्राफ्ट मतदाता सूची में उनके नाम नहीं थे। बाद में उन्हें पता चला कि इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ERO) ने उनके 'फॉर्म 8' आवेदनों को खारिज कर दिया था, लेकिन यह जानकारी उन्हें तब मिली जब दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समय-सीमा समाप्त हो चुकी थी। इसके बाद चुनाव आयोग ने परिवार को नए सिरे से 'फॉर्म 6' (Form 6) आवेदन जमा करने की सलाह दी। परिवार ने इस सुझाव को चुनौती देते हुए तर्क दिया कि 'फॉर्म 6' पहली बार मतदाता पंजीकरण के लिए होता है, जबकि 'फॉर्म 8' का उपयोग मौजूदा मतदाता अपने विवरण (जैसे पता) को अपडेट करने के लिए करते हैं।

मुंबई के नामचीन डिस्को क्लबों में काम करने वाली युवतियों से देह व्यापार कराने वाली महिला एजेंट गिरफ्तार

◆मीरा रोड में MBVV क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई; दो युवतियों को सेक्स रैकेट के चंगुल से कराया मुक्त, महिला सुधारगृह भेजने की प्रक्रिया शुरू



मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मुंबई के नामचीन डिस्को क्लबों में काम करने वाली युवतियों को देह व्यापार के धंधे में धकेलने वाले कथित नेटवर्क का मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की क्राइम ब्रांच ने पदार्फाश किया है। महिला अत्याचार प्रतिबंधक एवं विशेष बाल संरक्षण व देखभाल कक्ष की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक महिला एजेंट को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके चंगुल से दो युवतियों को सुरक्षित मुक्त कराया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, एक सामाजिक संस्था (NGO) के माध्यम से पुलिस को सूचना मिली थी कि मीरा रोड पूर्व में काशीमीरा पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत दहिसर चेकनाका के पास ठाकुर मॉल स्थित मैकडॉनल्ड्स के नजदीक एक महिला एजेंट युवतियों को देह व्यापार के लिए ग्राहकों तक पहुंचाने आने वाली है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच की महिला अत्याचार प्रतिबंधक एवं विशेष बाल संरक्षण व देखभाल कक्ष की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक तृप्ति देशमुख ने अपनी टीम के साथ जाल बिछाया। पुलिस ने बोगस ग्राहक और पंचों की मदद से निर्धारित स्थान पर निगरानी रखी। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से छापा मारकर महिला एजेंट को हिरासत में लिया और मौके से दो युवतियों को देह व्यापार के कथित चंगुल से मुक्त कराया। नामचीन डिस्को क्लबों से जुड़ रहे नेटवर्क के तार प्राथमिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार महिला एजेंट मुंबई के नामचीन डिस्को क्लबों में काम करने वाली युवतियों से कथित तौर पर देह व्यापार करवाती थी। पुलिस अब इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश और पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। जांच में पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गिरफ्तार महिला के साथ इस अवैध कारोबार में और कितने लोग शामिल हैं, अब तक कितनी युवतियों को इस धंधे में धकेला गया है तथा रेस्क्यू की गई युवतियां मुंबई के किन-किन डिस्को क्लबों में काम करती थीं। इटर और PITA एक्ट के तहत कार्रवाई पुलिस गिरफ्तार महिला एजेंट के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) और अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम यानी PITA एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई कर रही है। वहीं, मुक्त कराई गई दोनों युवतियों को सुरक्षित महिला सुधारगृह भेजने की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में संयुक्त कार्रवाई यह कार्रवाई पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों, क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संदीप डोईफोडे तथा सहायक पुलिस आयुक्त नितिन पाटील (क्राइम ब्रांच का अतिरिक्त कार्यभार) के मार्गदर्शन में की गई। इस अभियान में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक तृप्ति देशमुख, सहायक फौजदार राजाराम आसवाले, पुलिस हवलदार चेतन राजपूत, महिला पुलिस हवलदार शीतल जाधव, महिला पुलिस कर्मचारी सुरेखा वायल, प्रिया चव्हाण, पुलिस कर्मचारी खैरनार, MSF जवान सतीश सोनावणे तथा क्राइम ब्रांच की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस की इस कार्रवाई से देह व्यापार के अवैध नेटवर्क पर एक और प्रहार हुआ है। अब जांच का मुख्य केंद्र इस गिरोह के अन्य सदस्यों और इससे जुड़े संभावित डिस्को क्लब नेटवर्क का पता लगाना है।

जिले के 9,800 किसानों के खातों में 55.81 करोड़ रुपये की कर्जमाफी राशि जमा

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर किसान कर्जमुक्ति योजना से किसानों को बड़ी राहत

पालघर(उत्तरशक्ति)। प्राकृतिक आपदाओं और प्रतिकूल परिस्थितियों के चलते आर्थिक संकट का सामना कर रहे पालघर जिले के किसानों को राज्य सरकार की पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर किसान कर्जमुक्ति योजना 2026 के तहत बड़ी राहत मिली है। इस योजना के अंतर्गत जिले के अब तक 9,800 पात्र किसानों के बैंक खातों में कुल 55 करोड़ 81 लाख 14 हजार 228 रुपये की सहायता राशि जमा की जा चुकी है। सरकार की इस पहल से हजारों किसानों को आर्थिक संबल मिला है। राज्य सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं के कारण कर्ज के बोझ तले दबे किसानों को राहत देने और उन्हें आर्थिक संकट से बाहर निकालने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की है। योजना के तहत 30 सितंबर 2025 तक फसल ऋण बकाया रखने वाले तथा 31 मार्च 2026 तक ऋण का भुगतान नहीं कर पाने वाले पात्र किसानों को दो लाख रुपये तक की कर्जमाफी देने का प्रावधान है। वहीं, नियमित रूप से कर्ज चुकाने वाले किसानों को प्रोत्साहन राशि के रूप में 50 हजार रुपये तक का लाभ दिया जायेगा। इस योजना में राष्ट्रीयकृत, निजी, क्षेत्रीय ग्रामीण एवं जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंकों से लिए गये पात्र फसल ऋण के साथ प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी संस्थाओं द्वारा अपने स्वयं के फंड से वितरित किये गये ऋण भी शामिल किये गये हैं। पालघर जिले में योजना के तहत इससे पहले 10,484 किसानों की पहली सूची जारी की गई थी। इसके बाद 11 सितंबर 2026 को 479 पात्र किसानों की दूसरी सूची, 12 अक्टूबर को 206 किसानों की तीसरी सूची और 22 अक्टूबर 2026 को 1,191 पात्र किसानों की चौथी सूची आधार प्रमाणीकरण के लिए जारी की गई थी। आधार प्रमाणीकरण की प्रक्रिया पूरी करने वाले पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में चरणबद्ध तरीके से सहायता राशि जमा की गई है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com



स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

तेजीबाजार में ट्रैक्टर की टक्कर से व्यक्ति की मौत

तेजी बाजार,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेजीबाजार थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर ट्रॉली लगे ट्रैक्टर की चपेट में आने से रामलाल सरोज (47) की मौत हो गई। हादसा बक्शा-तेजीबाजार रोड पर दोपहर करीब 3 बजे हुआ। रामलाल शेखपुरा के रहने वाले थे।

सूचना पर पहुंची तेजीबाजार थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बुधवार को परिजन पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर घर पहुंचे, लेकिन अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। वे शव घर पर रखकर बैठ गए।

परिजनों ने अंतिम संस्कार रोका, कानूनी कार्रवाई और आर्थिक मदद की मांग की

तेजीबाजार थानाध्यक्ष सतेंद्र भाई पटेल ने परिजनों को समझाने की कोशिश की। बक्शा थाने की पुलिस और तहसीलदार भी मौके पर पहुंचे, लेकिन परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी नहीं हुए। परिजनों ने कहा कि जब तक ट्रैक्टर चालक और मालिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं होगी और उचित आर्थिक मदद नहीं मिलेगी, वे अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। सुरक्षा के लिए थानाध्यक्ष सतेंद्र भाई पटेल ने मृतक के घर पर पुलिस तैनात की। देर रात तक समझाने के बाद भी परिजन नहीं माने। इस दौरान शेखपुरा गांव और आसपास के कई लोग मौके पर मौजूद थे।

नकाबपोश बदमाशों ने ईंट और तमंचे के बट से पीटकर युवक की हत्या, दोस्त के बयान पर उठे सवाल

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर क्षेत्र में शाहगंज-बदलापुर मार्ग पर बुधवार रात एक युवक पर ईंट और तमंचे के बट से हमला कर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान करीब 32 वर्षीय नीरव सिंह पुत्र स्वर्गीय धीरेंद्र सिंह, निवासी तिलवारी गांव, थाना खुटहन के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। वहीं, मृतक के साथ मौजूद दोस्त के बयान और घटना के बाद की परिस्थितियों को लेकर परिजनों ने सवाल उठाए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नीरव सिंह बुधवार शाम अपने दोस्त नीरज यादव निवासी मछली गांव, थाना बदलापुर को उसके घर से लेकर बदलापुर कस्बे में आयोजित एक सगाई समारोह में शामिल होने गया था। दोनों एक ही बाइक से कार्यक्रम में पहुंचे थे। बताया जाता है कि समारोह से लौटते समय रात करीब 10:30 बजे शाहगंज-बदलापुर मार्ग पर एक गुमटी के पास दोनों सामान खरीदने के लिए रुके थे।

पीछे से पहुंचे नकाबपोश बदमाशों ने किया हमला- नीरज के कथन के अनुसार, दोनों जब बाइक पर बैठने लगे, तभी पीछे से बाइक सवार तीन नकाबपोश बदमाश पहुंचे। आरोप है कि बदमाशों ने नीरव पर ईंट और बंदूक के बट से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे नीरज के साथ भी मारपीट की गई। हमले में दोनों घायल हो गए। नीरज का दावा है कि हमले के दौरान वह बेहोश हो गया था।

सगाई समारोह से लौटते समय वारदात का आरोप, परिजनों ने दोस्त की भूमिका पर जताया संदेह; पुलिस जांच के बाद सामने आएगी सच्चाई

उसके मुताबिक, होश आने पर उसने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद 108 एंबुलेंस की मदद से नीरव को बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। नीरज के बयान के अनुसार, वहां चिकित्सकों ने घबराने की बात नहीं बताई। इसके बाद वह नीरव को गुमटी के पास छोड़कर अपने घर चला गया।

दोस्त के बयान पर परिजनों ने उठाए सवाल- नीरव की मौत के बाद परिजनों ने नीरज के बयान और घटना के बाद की परिस्थितियों पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि नीरव गंभीर रूप से घायल था, तो इसकी सूचना तत्काल परिजनों को क्यों नहीं दी गई? सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उसके उपचार से संबंधित रिकॉर्ड और घटना के दौरान हुई गतिविधियों की स्थिति भी स्पष्ट होनी चाहिए। परिजनों ने यह सवाल भी उठाया कि नीरव को जिला अस्पताल जौनपुर क्यों नहीं ले जाया गया।

इन परिस्थितियों के आधार पर परिजनों ने नीरज की भूमिका पर संदेह जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। हालांकि, दोस्त पर लगाए गए संदेह की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और हमले में शामिल लोगों की पहचान भी जांच का विषय है। इस संबंध में थाना अध्यक्ष बदलापुर फूलचंद पांडे ने गुरुवार की दोपहर करीब 2:00 बजे बताया कि मामले मे विधिक कार्रवाई की जा रही है।

तालाब का पट्टा निरस्त होने पर उठे सवाल, न्याय के लिए डीएम कार्यालय के चक्कर लगा रहा पट्टाधारक

दो दिन में कार्रवाई का आश्वासन, अब बताया जा रहा पट्टा गलती से हुआ था आवंटित

शुभम कुमार यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम कौवापार में तालाब का पट्टा निरस्त किए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पट्टाधारक विनोद कुमार यादव न्याय की गुहार लेकर लगातार जिलाधिकारी कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। उनका आरोप है कि बार-बार आश्वासन मिलने के बावजूद अब तक मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।



विनोद कुमार यादव के अनुसार, गांव स्थित गाटा संख्या 556, रकबा 1.235 हेक्टेयर के तालाब का पट्टा निर्धारित प्रक्रिया के तहत उनके नाम स्वीकृत हुआ था। इसके लिए उन्होंने निर्धारित धनराशि राजस्व खाते में जमा की थी, जिसकी रसीदें भी उनके पास मौजूद हैं।

उनका आरोप है कि पट्टा निरस्त करने से पहले न तो उन्हें उचित नोटिस दिया गया और न ही अपना पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर मिला। पट्टा मिलने के बाद उन्होंने तालाब की साफ-सफाई, मरम्मत और मत्स्य पालन की व्यवस्था पर करीब दो लाख रुपये खर्च किए थे। अचानक पट्टा निरस्त होने से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

दो दिन का आश्वासन, अब बताया जा रहा गलती से हुआ आवंटन: पट्टाधारक का आरोप है कि जिलाधिकारी कार्यालय में पहले उन्हें दो दिन के भीतर कार्रवाई का आश्वासन देकर वापस भेजा जाता रहा, लेकिन अब यह बताया जा रहा है कि तालाब का पट्टा गलती से उनके नाम आवंटित हो गया था और यह किसी दूसरे व्यक्ति के नाम होना था। इस जवाब के बाद पट्टा आवंटन की प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं। यदि पट्टा निर्धारित प्रक्रिया के तहत स्वीकृत हुआ और धनराशि भी राजस्व खाते में जमा कराई गई, तो फिर इसे गलती से हुआ आवंटन क्यों बताया जा रहा है? इस कथित गलती के लिए जिम्मेदार कौन है?

डीएम से निष्पक्ष जांच की मांग: विनोद कुमार यादव ने जिलाधिकारी से पट्टा निरस्तीकरण के आदेश की समीक्षा कराने, आवंटन से जुड़े राजस्व अभिलेखों की जांच कराने और पूरे मामले का निष्पक्ष निस्तारण करने की मांग की है। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और पट्टाधारक को कब तक न्याय मिल पाता है।

राष्ट्रीय पक्षी मोर के कुत्तों के हमले से दर्दनाक मौत

प्रशासन द्वारा राष्ट्रीय सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

जौनपुर,शाहगंज (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के खनुवाई गांव में बुधवार को रात भारतीय राष्ट्रीय पक्षी मोर को अचानक कुत्तों ने घेर कर हमला कर दिया मोर ने जान बचाने का बहुत प्रयास किया मगर आवारा कुत्तों की संख्या ज्यादा होने के कारण घेर कर उसे पर टूट पड़े जब तक आसपास के लोग समझ पाए तब तक उसे नोच कर पूरी तरह घायल कर चुके थे आसपास रहने वालों ने किसी तरीके से कुत्तों को लाठी डंडे से मार कर भगाया मगर तब तक बहुत देर हो चुकी थी देखने के बाद पता चला की मोर की मृत्यु हो चुकी है इसके बाद सूचना पाकर मौके पर पहुंचे बड़ा गांव चौकी प्रभारी अजय सिंह मय हमराह आरक्षी सूर्यकुमार यादव, व सिजाउद्दीन शेख, ग्रामीणों के सहयोग से शाहगंज नायब तहसीलदार की उपस्थिति में मोर को तिरंगे में लपेटकर पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया जिसमें खनुवाई ग्राम प्रधान प्रदीप कुमार यादव, पूर्व प्रधान राजमन यादव, दिलीप गौतम, मोहम्मद हसन खान, त्रिभुवन यादव, नीलू यादव ने अंतिम संस्कार में प्रशासन का सहयोग किया। यह अंतिम संस्कार खनुवाई गांव में बुधवार की देर रात्रि किया गया।

पथरगड्डी कर रास्ता अवरुद्ध करने व गाली-गलौज की धमकी देने के आरोप में तीन पर मुकदमा दर्ज

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के रामपुर घुड़सुरी गांव में पथरगड्डी के बाद रास्ता अवरुद्ध करने और विरोध करने पर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी जगदंबा ने महराजगंज थाने में दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि न्यायालय के आदेश पर राजस्व टीम द्वारा भूमि की पैमाइश कर पथरगड्डी कराई गई थी। आरोप है कि इसके बावजूद विपक्षी पक्ष के लोगों ने पथरगड्डी के पत्थर उखाड़ दिए और रास्ता अवरुद्ध कर दिया। विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रामपुर घुड़सुरी निवासी गणेश कुमार, छोटे लाल तथा विनोद कुमार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 329(3), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक शेषनाथ सिंह को सौंपी गई है।

CPlan ऐप की मदद से 76 वर्षीय पूर्व सैनिक को परिजनों से मिलाया, लहरतारा पुलिस की सराहनीय पहल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। लहरतारा चौकी पुलिस ने मानवीय संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए रास्ता भटककर वाराणसी में घूम रहे 76 वर्षीय पूर्व सैनिक को सकुशल उनके परिजनों से मिला दिया। पुलिस ने CPlan ऐप की मदद से बुजुर्ग के परिवार से संपर्क कर उन्हें सुरक्षित सुपुर्द किया। जानकारी के अनुसार, रामकरण गोंड पुत्र स्वर्गीय सुमेर गोंड, निवासी ग्राम कटरिया, थाना करंडा, जनपद गाजीपुर, सेना से सेवानिवृत्त हैं। स्वास्थ्य एवं मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह रास्ता भटककर वाराणसी पहुंच गए थे। इस दौरान लहरतारा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार सचान, उपनिरीक्षक विवेक, हेड कांस्टेबल मिथलेश शाह और फैंटम पुलिस टीम बौलिया तिराहे पर ऑटो-टोटो चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को बुजुर्ग परेशान हालत में मिले। पूछताछ में वह अपने बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दे सके। पुलिस ने उनके बैग से आधार कार्ड बरामद कर CPlan ऐप के माध्यम से परिजनों से संपर्क किया। बुजुर्ग को चौकी लाकर नाश्ता कराया गया और उनकी देखभाल की गई। कुछ घंटे बाद पहुंचे उनके दामाद अनिल कुमार निवासी सोनौली, जनपद चंदौली को उन्हें सकुशल सुपुर्द कर दिया गया। वहीं, चेकिंग अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले तीन ऑटो भी सीज किए गए। पुलिस की इस मानवीय पहल की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

घर से निकलते ही साइकिल सवार को तेज रफ्तार कार ने रौंदा, हुई मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के धमार्पुर बहौर गांव में गुरुवार सुबह तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से साइकिल सवार 50 वर्षीय रामू गौड़ की मौत हो गई। हादसे के बाद कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, धमार्पुर गांव निवासी रामू गौड़ पुत्र स्वर्गीय लक्ष्मण गौड़ गुरुवार सुबह करीब छह बजे अपने दरवाजे से साइकिल लेकर निकले ही थे कि जौनपुर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद कार भी अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही गौराबादशाहपुर थानाध्यक्ष पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घायल रामू गौड़ को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित किया। वही पुलिस ने ट्रैक्टर की मदद से खाई में पलटी कार को बाहर निकलवाकर कब्जे में ले लिया। कार चालक मौके से फरार बताया जा रहा है। थानाध्यक्ष श्री प्रकाश शुक्ला ने बताया कि लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और विधि कार्रवाई की जा रही।

मुंगरा बादशाहपुर को 3,650 करोड़ की योजनाओं की सौगात, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का भव्य स्वागत



अरशद अली

मुंगरा बादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के मुंगरा बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र में आगमन पर उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। सार्वजनिक इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित विशाल जनसभा में केंद्रीय मंत्री ने क्षेत्र को ?3,650 करोड़ की लागत वाली सड़क एवं बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की सौगात दी। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि मुंगरा बादशाहपुर की जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए वह सदैव समर्पित रही हैं और आगे भी जनता के सुख-दुख में साथ खड़ी रहेंगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री द्वारा दी गई विकास परियोजनाओं से क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर बदलने में मदद मिलेगी।

समारोह में महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह, पूर्व विधायक जगदीश सोनकर, सुषमा पटेल, पूर्व सांसद बीपी सरोज, एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंसू, विधायक रमेश मिश्रा तथा उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि, भाजपा नेता, कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

विद्यार्थियों के आइडिया से तैयार होंगे स्टार्टअप, नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने डीन और विभागाध्यक्षों के साथ की बैठक



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने की पहल तेज हो गई है। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कुलपति सभागार में विभिन्न संकायों के अध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों के साथ बैठक कर विद्यार्थियों को स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

कुलपति ने कहा कि प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की मंशा है कि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी अपने नए विचारों और नवाचार के माध्यम से स्टार्टअप की दिशा में आगे बढ़ें। इसके लिए प्रत्येक संकाय में स्टार्टअप संस्कृति विकसित करना जरूरी है।

उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे विद्यार्थियों के रचनात्मक विचारों को पहचानकर उन्हें व्यावहारिक रूप देने में मार्गदर्शन करें। विद्यार्थियों के छोटे-छोटे आइडिया भविष्य में बड़े उद्यम का रूप ले सकते हैं। विश्वविद्यालय का प्रयास होना चाहिए कि विद्यार्थियों के विचार उपयोगी उत्पादों, सेवाओं और सफल स्टार्टअप में परिवर्तित हों।

कुलपति ने सभी संकाय अध्यक्षों से अपने-अपने विभागों में स्टार्टअप आइडिया सामने लाने और उन्हें विकसित करने के लिए सामूहिक प्रयास करने को कहा। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता, रचनात्मकता और उद्यमशीलता की भावना विकसित होगी।

बैठक में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, वित्त अधिकारी विनोद कुमार, प्रो. मानस पांडेय, प्रो. अविनाश, प्रो. मनोज मिश्रा, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. राजकुमार, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. ए.के. श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के अध्यक्ष एवं एआर सरला यादव उपस्थित रहीं।

तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 के अंतर्गत मेडिकल कॉलेज में युवाओं की काउंसलिंग एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के काउंसलिंग एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं को तंबाकू, गुटखा, खैनी, बीड़ी एवं सिगरेट के सेवन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य दुष्परिणामों, मुंह के कैंसर, फेफड़ों के रोगों तथा अन्य गंभीर बीमारियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही तंबाकू सेवन की लत से बचने, इसे छोड़ने के उपायों तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए परामर्श प्रदान किया गया।



कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा0 अनुज सिंह के नेतृत्व में डा0 मुदित चौहान, डा0 नवीन कुमार, डा0 आदर्श मौर्या, डा0 पूजा पाठक एवं इंटर्न और एमएसडब्ल्यू तथा अन्य विभागीय कर्मचारियों द्वारा कार्यक्रम में सक्रिय भागिता की गई। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को तंबाकू सेवन से दूर रहने तथा अपने परिवार एवं समाज के अन्य लोगों को भी तंबाकू मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया।

महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो0 (डा0) आर0बी0 कमल ने अपने संदेश में कहा कि युवाओं को तंबाकू की लत से बचाना स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रकार के जागरूकता एवं काउंसलिंग कार्यक्रमों से युवाओं में स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक सोच विकसित होती है।

प्रधानाचार्य प्रो0 (डा0) आर0बी0 कमल के दिशा-निर्देशन में तम्बाकू निषेध, नोडल अधिकारी डा0 अनिल कुमार द्वारा तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 के अंतर्गत चिकित्सा महाविद्यालय में युवाओं को तंबाकू एवं तंबाकू से बने विभिन्न उत्पादों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने हेतु

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में दो शिक्षक बने ओएसडी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में प्रशासनिक एवं तकनीकी कार्यों को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर दो सहायक आचार्यों को विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह की ओर से जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, इंजीनियरिंग संस्थान के कम्प्यूटर साइंस विभाग के शिक्षक डॉ. प्रशांत कुमार यादव को ओएसडी-टेक (विशेष कार्याधिकारी, तकनीकी) तथा डॉ. दिव्येंदु मिश्रा को ओएसडी-एडमिन (विशेष कार्याधिकारी, प्रशासन)

डॉ.प्रशांत को ओएसडी-तकनीकी और डॉ.दिव्येंदु को प्रशासन की जिम्मेदारी

नियुक्त किया गया है।

आदेश के तहत ओएसडी-टेक डॉ. प्रशांत परिसर नेटवर्क, ई-ऑफिस और डिजिटल कार्यप्रवाह सहित अनुमोदित सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी पहलों के क्रियान्वयन में समन्वय एवं अनुश्रवण करेंगे। वहीं, ओएसडी-एडमिन डॉ. दिव्येंदु मिश्रा कार्यालयी कार्यों, बैठकों, पत्रावलियों एवं पत्राचार का समन्वय करेंगे। साथ ही प्रशासनिक निर्णयों पर की गई कार्रवाई का अनुश्रवण भी उनकी जिम्मेदारी होगी।

कार्यालय आदेश में स्पष्ट किया गया है कि दोनों विशेष कार्याधिकारी कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के सीधे पर्यवेक्षण में कार्य करेंगे। इसके अतिरिक्त कुलपति की ओर से सौंपे गए अन्य दायित्वों का भी निर्वहन करेंगे।

रामघाट पर कूड़े के ढेर में पड़ी लाखों की इलेक्ट्रिक शवदाह मशीन, सरकारी धन के उपयोग पर उठे सवाल

रखरखाव के अभाव में बर्बाद हो रही मशीन, आम जनता को नहीं मिल रहा लाभ; स्थानीय लोगों ने उच्चस्तरीय जांच और जल्द संचालन शुरू कराने की उठाई मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के रामघाट पर आम लोगों की सुविधा और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को सुगम बनाने के उद्देश्य से लाखों रुपये की लागत से स्थापित इलेक्ट्रिक शवदाह मशीन इन दिनों बदहाली का शिकार है। जिस मशीन को आधुनिक सुविधा के रूप में स्थापित किया गया था, वह आज कूड़े के ढेर के बीच पड़ी हुई है। उचित रखरखाव और देखरेख के अभाव में मशीन की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। इसके चलते सरकारी धन से स्थापित इस महत्वपूर्ण सुविधा का लाभ आम जनता को नहीं मिल पा रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, इलेक्ट्रिक शवदाह मशीन की स्थापना के पीछे उद्देश्य यह था कि अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोगों को आधुनिक एवं सुविधाजनक व्यवस्था उपलब्ध हो सके। लेकिन वर्तमान स्थिति को देखकर इसकी उपयोगिता और जिम्मेदार विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लाखों रुपये खर्च कर स्थापित की गई मशीन का इस तरह उपेक्षित पड़े रहना सरकारी संसाधनों के उपयोग और उनके रखरखाव को लेकर गंभीर सवाल पैदा कर रहा है।

लोगों का कहना है कि यदि मशीन को चालू करने की व्यवस्था नहीं थी तो इसे स्थापित करने पर इतनी बड़ी धनराशि क्यों खर्च की गई? यदि मशीन पहले संचालित हो रही थी तो इसे बंद करने की नौबत क्यों आई? इसके अलावा मशीन की नियमित देखरेख और सुरक्षा की जिम्मेदारी किस विभाग या अधिकारी की है, यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए।



स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। जांच में यह भी सामने आना चाहिए कि मशीन की स्थापना पर कुल कितनी धनराशि खर्च हुई, इसे कब लगाया गया, अब तक इसका संचालन कितने समय तक हुआ और वर्तमान में यह किस कारण से बंद पड़ी है। साथ ही मशीन की वर्तमान स्थिति का तकनीकी परीक्षण कराकर उसकी मरम्मत एवं पुनः संचालन की व्यवस्था की जाए।

लोगों ने जिला प्रशासन और संबंधित नगर निकाय के अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए कहा कि सार्वजनिक सुविधाओं पर खर्च होने वाला सरकारी धन जनता की सुविधा के लिए होता है, न कि मशीनों को कूड़े के ढेर में छोड़ देने के लिए। यदि समय रहते इसकी सुध नहीं ली गई तो मशीन पूरी तरह खराब हो सकती है और मरम्मत पर अतिरिक्त सरकारी धन खर्च करना पड़ सकता है।

अब देखना यह है कि जिला प्रशासन और संबंधित विभाग इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और रामघाट पर कूड़े के बीच पड़ी इलेक्ट्रिक शवदाह मशीन को कब तक दुरुस्त कराकर आम जनता के उपयोग के लिए शुरू कराया जाता है।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की हॉकी और हैंडबॉल टीमों ने आल इंडिया प्रतियोगिता के लिए किया क्वालीफाई

महिला हॉकी में रायपुर को 7-0 और पुरुष हैंडबॉल में रांची को 40-24 से हराया





जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के खिलाड़ियों ने अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय को दोहरी सफलता दिलाई है। पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय महिला हॉकी प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की महिला टीम ने पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) को 7-0 गोल से करारी शिकस्त दी। वहीं, पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय पुरुष हैंडबॉल प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की पुरुष टीम ने रांची विश्वविद्यालय, रांची को 40-24 गोल से पराजित किया। दोनों टीमों ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

विश्वविद्यालय की दोनों टीमों की इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और टीम प्रबंधन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन, समर्पण और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। खेल के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का लगातार बेहतर प्रदर्शन उत्साहजनक है।

महिला हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन संबलपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा में किया गया है। प्रतियोगिता में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ियों ने शुरू से ही आक्रामक और दमदार खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने प्रतिद्वंद्वी को गोल करने का कोई अवसर नहीं दिया और सात गोल दागकर एकतरफा जीत दर्ज की। इस शानदार जीत के साथ टीम ने अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय महिला हॉकी प्रतियोगिता में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया।

इसी क्रम में पुरुष हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में किया गया है। प्रतियोगिता में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम ने रांची विश्वविद्यालय को 40-24 गोल से हराकर अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय पुरुष हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए अर्हता प्राप्त की। खिलाड़ियों ने बेहतर तालमेल, आक्रामक रणनीति और मजबूत खेल कौशल का परिचय देते हुए यह महत्वपूर्ण जीत हासिल की।

करणी सेना डब्ल्यू.एस. के प्रदेश महासचिव बने रणविजय सिंह



जौनपुर । करणी सेना डब्ल्यू.एस. (एकीकृत राजपूत संगठन) की ओर से संगठनात्मक विस्तार एवं मजबूती को लेकर रणविजय सिंह को उत्तर प्रदेश का प्रदेश महासचिव मनोनीत किया गया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह द्वारा 19 जून 2026 को जारी मनोनयन पत्र के माध्यम से उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई। जौनपुर जनपद के इटौरी सोनिकपुर निवासी रणविजय सिंह का कार्यकाल 19 जून 2026 से 19 जून 2027 तक एक वर्ष के लिए निर्धारित किया गया है। मनोनयन पत्र में उनसे संगठन की गरिमा एवं सम्मान बनाए रखते हुए सौंपी गई जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने तथा संगठन की मजबूती में पूर्ण योगदान देने की अपेक्षा जताई गई है।उनके प्रदेश महासचिव बनाए जाने की जानकारी मिलने पर शुभचिंतकों एवं समर्थकों में खुशी का माहौल है। लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व और सक्रियता से उत्तर प्रदेश में संगठन को नई मजबूती मिलेगी।

दुद्धी सीएचसी में स्ट्रेचर ट्रॉली की कमी, मरीजों की बढ़ी परेशानी



दुद्धी, सोनभद्र (उत्तर शक्ति)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी में स्ट्रेचर ट्रॉली की कमी और खराब उपकरणों के कारण मरीजों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। दुर्घटना में घायल और गंभीर मरीजों को अस्पताल के वार्ड तक पहुंचाने में तीमारदारों और स्वास्थ्यकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है।

अस्पताल की दो स्ट्रेचर ट्रॉलियों में एक का निचला हिस्सा टूट चुका है, जबकि दूसरी का पहियों वाला ढांचा गायब है। ऐसे में एंबुलेंस के स्ट्रेचर की मदद से मरीजों को अंदर लाना पड़ रहा है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वरुणा निधि के निर्देश पर नसबंदी कक्ष में रखी एक ट्रॉली को बाहर निकालकर फिलहाल इस्तेमाल में लाया जा रहा है।

डॉ. निधि ने बताया कि खराब ट्रॉली की जल्द मरम्मत कराई जाएगी। वहीं, स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन से पर्याप्त संख्या में नई स्ट्रेचर ट्रॉली व व्हीलचेयर उपलब्ध कराने की मांग की है।

प्रथम आने के बावजूद अंशिका को नहीं मिला मेडल, दूसरी खिलाड़ी को किया सम्मानित



केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र के डेहरी गांव निवासी खिलाड़ी अंशिका यादव के साथ प्रतियोगिता में अन्याय का आरोप लगा है। प्रयागराज के मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में 3 नवंबर को आयोजित 70वीं उत्तर प्रदेश स्कूल स्टेट अंडर-17 बालिका वर्ग की 3000 मीटर रेस वॉक प्रतियोगिता में अंशिका ने 10 मिनट 15 सेकेंड में रेस पूरी कर प्रथम स्थान हासिल किया।

परिवार का आरोप है कि मैदान में अंशिका को प्रथम घोषित किया गया, लेकिन शाम को मेडल वितरण के दौरान आधिकारिक सूची से उनका नाम गायब कर दिया गया और दूसरी खिलाड़ी को पदक व प्रमाणपत्र दे दिया गया।

अंशिका के पिता अजय यादव ने प्रतियोगिता की टाइमिंग शीट और निर्णायकों के रिकॉर्ड की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बेटी की मेहनत और प्रतिभा को न्याय मिलना चाहिए तथा प्रथम स्थान की पुष्टि होने पर उसे पदक और प्रमाणपत्र दिया जाए।

नगर कोतवाल अनिता सिंह और सरायपोख्ता चौकी प्रभारी निलंबित



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के पुलिस महकमे में बड़ी कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने नगर कोतवाली की प्रभारी निरीक्षक अनिता सिंह और सरायपोख्ता चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक राहुल रंजन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बताया गया कि कोतवाली क्षेत्र में हुई चोरी की घटना में प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने और एक सक्रिय अपराधी को पूछताछ के लिए थाने लाने के बावजूद गहन पूछताछ एवं आवश्यक विवेचनात्मक कार्रवाई किए बिना छोड़ने की शिकायत मिली थी। मामले की जांच सहायक पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा की गई। जांच में प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर दोनों अधिकारियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक ने कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही और स्वेच्छाचारिता बरतने के आरोप में यह कदम उठाया है। पुलिस विभाग में इस कार्रवाई को लेकर चचाएँ तेज हैं।

बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिरी, युवक गंभीर घायल



केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत की नई सब्जी मंडी के पास बाइक अनियंत्रित होने से एक युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल युवक की पहचान तरियारी गांव निवासी सचिन कुमार के रूप में हुई। जानकारी के अनुसार, सचिन कुमार बाइक से नई सब्जी मंडी के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई और वह सड़क पर गिर पड़े। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं। सड़क पर युवक को घायल अवस्था में देख आसपास मौजूद लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए एंबुलेंस बुलवाई और घायल सचिन को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) केराकत पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की तत्परता से घायल को समय रहते अस्पताल पहुंचाया जा सका।

पेरेंट्स को पहली प्राथमिकता देने वाले इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म 'नेस्टवेस्ट' ने पूरे भारत में लॉन्च की घोषणा



मुंबई। वेल्थडोर ग्रुप के सेबी रजिस्टर्ड गोल-बेस्ड इन्वेस्टिंग ऐप 'नेस्टवेस्ट' ने पूरे भारत में अपनी इन्वेस्टमेंट एडवाइजरी सेवाएं शुरू करने का ऐलान किया है। इसका मकसद माता-पिता को अपने बच्चों का भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित करने में मदद करना है। जीरो कमीशन के साथ, नेस्टवेस्ट टियर 2 और टियर 3 शहरों सहित पूरे भारत के माता-पिता के लिए प्रोफेशनल इन्वेस्टमेंट गाइडेंस को एक तय सालाना एडवाइजरी फीस पर बेहद आसान और किफायती बनाता है।

वेल्थडोर ग्रुप के पास अमेरिका में एएउ-रजिस्टर्ड एडवाइजरी के तौर पर काम करने का एक शानदार ट्रैक रिकॉर्ड है। वेल्थडोर की इसी ग्लोबल फाइनेंस एक्सपर्टीज के आधार पर बना नेस्टवेस्ट, माता-पिता को अपने बच्चों की पढ़ाई, शादी, पहले घर और ऐसे ही अन्य बड़े लक्ष्यों के लिए प्लानिंग करने में मदद करता है। इसके लिए यह पर्सनलाइज्ड पोर्टफोलियो, डायरेक्ट म्यूचुअल फंड्स, ऑटोमेटेड कॉन्ट्रिब्यूशन्स और हर लक्ष्य की प्रोग्रेस ट्रैक करने की सुविधा देता है। हर खास लक्ष्य के लिए, ऐप माता-पिता की रिस्क लेने की क्षमता और समय को ध्यान में रखते हुए डायरेक्ट म्यूचुअल फंड प्लान्स के एक शानदार पोर्टफोलियो की सलाह देता है, जिसे सेबी ने भी बढ़ावा देने के लिए कहा है। शुरूआत में सिर्फ 'इनवाइट-ओनली' फेज के दौरान ही इस प्लेटफॉर्म पर 1,25,000 लोगों ने साइन-अप किया था, जो दिखाता है कि भारतीय माता-पिता के बीच गोल-बेस्ड इन्वेस्टमेंट को लेकर कितनी दिलचस्पी है।

वेल्थडोर और नेस्टवेस्ट के फाउंडर कुणाल आनंद ने कहा, हर माता-पिता अपने बच्चों के बेहतर भविष्य का सपना देखते हैं, लेकिन सपनों को हकीकत में बदलने के लिए सही फाइनेंशियल प्लानिंग, अनुशासन और पावर ऑफ कंपाउंडिंग की जरूरत होती है। हमारा मानना है कि प्रोफेशनल वेल्थ मैनेजमेंट सिर्फ अमीर परिवारों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। हर भारतीय माता-पिता के लिए तैयार किए गए नेस्टवेस्ट के जरिए, हमारा मिशन भारत को 'सेल्फ-इन्वेस्टिंग' से आगे बढ़ाकर गोल-बेस्ड और एडवाइज्ड इन्वेस्टिंग की तरफ ले जाना है।

ट्रांसजेंडर समुदाय का दिवाली मिलन समारोह आज



वसई रोड। प्रतीक्षा फाउंडेशन और भाजपा केरल प्रकोष्ठ की संयुक्त पहल, विधायक स्नेहा दुबे-पंडित रहेंगी मुख्य अतिथि

वसई। ट्रांसजेंडर समुदाय को सामाजिक सम्मान, समानता और मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से प्रतीक्षा फाउंडेशन और भाजपा केरल प्रकोष्ठ, महाराष्ट्र के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार, 6 नवंबर को दिवाली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम शाम 5 बजे से वसई पश्चिम के आनंद नगर स्थित विश्वकर्मा हॉल में आयोजित होगा।

समारोह में वसई की विधायक स्नेहा दुबे-पंडित मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। वहीं, वसई-विरार महानगरपालिका की नगरसेविका निम्मी दोशी और प्रतीक्षा फाउंडेशन के अध्यक्ष उत्तम कुमार सहित कई गणमान्य लोग कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस अवसर पर दिल्ली, पंजाब और भोपाल से ट्रांसजेंडर समुदाय के सामाजिक उत्थान के लिए कार्य कर रहे कई प्रमुख प्रतिनिधि भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

आयोजकों के अनुसार, कोविड काल से ही भाजपा से जुड़े उत्तम कुमार ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए विभिन्न सामाजिक एवं मिलन समारोहों का आयोजन करते आ रहे हैं। प्रतीक्षा फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष दिवाली के अवसर पर इस समुदाय के साथ खुशियां साझा करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ट्रांसजेंडर समुदाय को सामाजिक सम्मान, स्नेह और समानता का अनुभव कराना तथा समाज में आपसी भाईचारे और समरसता को मजबूत करना है। आयोजकों ने नागरिकों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर समारोह की खुशियों में सहभागी बनने की अपील की है।

नालासोपारा के भाजपा युवा नेता अमित दुबे का जौनपुर में सम्मान



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर की यात्रा पर आए नालासोपारा के युवा भाजपा नेता तथा सुप्रसिद्ध समाजसेवी अमित ओमप्रकाश दुबे का आज घनश्यामपुर बाजार में गणमान्य लोगों द्वारा सम्मान किया गया। वरिष्ठ समाजसेवी कमला प्रसाद तिवारी बड़े बाबू ने धार्मिक अंगवस्त्र से उनका सम्मान किया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में पूर्व प्रधान रामजियावन तिवारी, पूर्व प्रधानाचार्य रामानंद पांडे, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, प्रिंसिपल डॉ. विनोद मिश्रा, प्रवक्ता डॉ विजय शंकर तिवारी, राधेश्याम दुबे, राजेश सिंह, देवरिया के समाजसेवी गोपाल दुबे समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। अमित दुबे की भाभी स्नेहा दुबे भाजपा की विधायक हैं। उन्होंने पिछले चुनाव में बाहुबली विधायक हितेंद्र ठाकुर को पराजित किया था। अमित दुबे ने दिए गए सम्मान के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी को नालासोपारा आने के लिए आमंत्रित किया। घनश्यामपुर के बाद अमित दुबे पास के कुशहा गांव निवासी तथा समरत्थी दिव्यांग विद्यालय के संचालक अजय सिंह के घर पर एकादशाह कार्यक्रम में शामिल हुए।

धान काटने के दौरान महिला से मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी, दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

महराजगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के अमारी गांव में धान की कटाई के दौरान खेत में पहुंचकर गाली-गलौज और मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अमारी गांव निवासी रेखा सरोज पत्नी रामलाल सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि 3 नवंबर की सुबह करीब सात बजे वह अपने धान के खेत में फसल काट रही थीं। खेत में पानी भरा होने के कारण वह काटे गए धान को निकालकर बगल के खाली खेत में रख रही थीं। इसी दौरान गांव की हेमा पत्नी नन्हे सरोज वहां पहुंचीं और बिना कुछ पूछे गाली-गलौज करने लगीं। आरोप है कि उन्होंने खेत में रखे धान को उठाकर फेंकना शुरू कर दिया। पीड़िता के अनुसार, कुछ देर बाद नन्हे सरोज भी मौके पर पहुंच गए और गाली-गलौज करने लगे।

विरोध करने पर उन्होंने पीड़िता के पति के साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंची रेखा सरोज को भी डंडे से पीटा गया, जिससे उनके दाहिने हाथ में चोट आई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि जाते समय दोनों ने दोबारा मारपीट करने और जान से मारने की धमकी भी दी। मामले में पुलिस ने 3 नवंबर 2026 को एफआईआर संख्या 0291 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 352 और 351(3) में मुकदमा दर्ज किया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक राम किंकर मिश्रा को सौंपी गई है।

अपेंडिक्स का पुराना इन्फेक्शन भविष्य में प्रेग्नेंसी में बन सकता है परेशानी का कारण

पटना (उत्तरशक्ति)। अपेंडिक्स में गंभीर इन्फेक्शन, खासकर अपेंडिक्स फटने की स्थिति में, आसपास के टिश्यू में सूजन और स्कार टिश्यू (एडहीजन्स) बन सकते हैं। इसका असर कुछ महिलाओं में फैलोपियन ट्यूब्स की कार्यप्रणाली पर पड़ सकता है, जिससे प्राकृतिक रूप से गर्भधारण करने में परेशानी हो सकती है। बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, पटना की फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ. अनुपम कुमारी के अनुसार, अपेंडिक्स के इन्फेक्शन के दौरान बने एडहीजन्स फैलोपियन ट्यूब की स्थिति और मूवमेंट को प्रभावित कर सकते हैं। इससे एग को ट्यूब द्वारा ग्रहण करने की प्रक्रिया या उसमें रुकावट की समस्या हो सकती है।

हालांकि, अपेंडिक्स की सामान्य सर्जरी होने का मतलब यह नहीं है कि महिला की फर्टिलिटी प्रभावित होगी। उन्होंने बताया कि यदि एक फैलोपियन ट्यूब स्वस्थ और ठीक से काम कर रही है, तो प्राकृतिक रूप से गर्भधारण संभव है। ट्यूब्स को हुए नुकसान का पता लगाने के लिए हिस्टेरोसैल्पिंगोग्राम जांच की जाती है। जरूरत पड़ने पर लैप्रोस्कोपी भी की जा सकती है। मेडिकल और सर्जिकल हिस्ट्री की समीक्षा तथा आवश्यक जांच से फर्टिलिटी पर संभावित प्रभाव का पता लगाने और आगे की उपचार प्रक्रिया तय करने में मदद मिलती है।

पांच प्रांतों की आस्था का केंद्र है बेचूबीर बाबा का मेला, 18 नवंबर से होगा आयोजन

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। मिजार्पुर जनपद के अहरौरा थाना क्षेत्र स्थित जंगल महाल गांव में जरगो नदी के तट पर बेचूबीर बाबा का तीन दिवसीय ऐतिहासिक मेला 18 से 20 नवंबर तक आयोजित होगा। मेले में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार सहित देश के विभिन्न हिस्सों से पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

मान्यता है कि बेचूबीर बाबा की चौरी के दर्शन और स्पर्श से प्रेत-बाधा दूर होती है तथा निःसंतान महिलाओं की मनोकामना पूरी होती है। श्रद्धालु पहले जरगो नदी में स्नान करते हैं, इसके बाद चौरी पर पूजा-अर्चना करते हैं। मुख्य पूजा दशमी की रात और एकादशी की भोर तीन से चार बजे के बीच होती है। बेचूबीर बाबा के वंशज एवं मेला व्यवस्थापक रोशनलाल यादव एडवोकेट ने बताया कि करीब ढाई-तीन सौ वर्ष पूर्व बाघ से तीन दिन तक संघर्ष करते हुए बेचूबीर बाबा की मृत्यु हुई थी। उनकी समाधि स्थल आज चौरी के रूप में प्रसिद्ध है। उन्होंने मांग की कि इस ऐतिहासिक मेले को प्रदेश के पर्यटन मानचित्र में शामिल कर मेला स्थल का विकास कराया जाए। उन्होंने बताया कि 19 नवंबर को शाम पांच बजे प्रदेश के समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव सिंह गोड़ मुख्य पूजा में शामिल होंगे।

अनियंत्रित टैंकर ज्वेलरी शॉप में घुसा, लाखों का नुकसान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर कोतवाली क्षेत्र के हरलालका रोड पर स्थित फर्म विश्वानाथ प्रसाद सेठ छंगन लाल सेठ के ज्वेलरी शॉप में बीती रात टैंकर अनियंत्रित होकर घुस गया जिससे लाखों रुपए का नुकसान का अनुमान है। बताया जाता है कि घटना मंगलवार रात लगभग 12 बजे की है, एक टैंकर कोतवाली की तरफ से तेज गति व लापरवाही से आता हुआ एकाएक उक्त फर्म में घुस गया। फर्म के मुख्य द्वार पर लगा चैनल व शटर समेत कीमती शीशा व साइन बोर्ड और सीसीटीवी कैमरा समेत कई और सामान बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयें। उक्त टैंकर द्वारा की गई दुर्घटना की सूचना इलाका पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे कब्जे में ले लिया है। ज्वेलरी शॉप के संचालक के अनुसार लगभग 15 लाख रुपए का नुकसान होने की बात कही जा रही है। दूसरी तरफ चर्चा है कि चालक काफी नशे में था, इस लिए यह दुर्घटना घटित हुई है। फिल्हाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

एचडीएफसी बैंक कैपिटल गेन्स स्कीम के तहत दे रहा है डिपॉजिट की सुविधा

पटना(उत्तरशक्ति)। एचडीएफसी बैंक को सरकार से कैपिटल गेन्स अकाउंट्स स्कीम 1988 के तहत डिपॉजिट स्वीकार करने की अनुमति मिल गई है। सीजीऐएस करदाताओं को अपने इस्तेमाल न किए गए कैपिटल गेन्स को बैंक खाते में अधिकतम तीन साल तक रखने की सुविधा देती है। सीजीऐएस के जरिए वे करदाता जो इनकम टैक्स फाइल करने की समय-सीमा से पहले अपना रीइन्वेस्टमेंट पूरा नहीं कर पाते हैं, वे बैंक की शहरी और अर्ध-शहरी शाखाओं, ग्रामीण शाखाओं को छोड़कर, में बचत खाता और फिक्स्ड डिपॉजिट खोल सकते हैं। एचडीएफसी बैंक में गवर्नमेंट एंड इंस्टीट्यूशनल लायबिलिटीज, न्यू इकॉनमी ग्रुप और अल्टरनेट बैंकिंग चैनल्स एंड पार्टनरशिप की प्रमुख, सुनाली रोहरा ने कहा कि हम भारत सरकार के आभारी हैं कि उन्होंने सीजीऐएस को लागू करने के लिए हम पर एक भरोसेमंद पार्टनर के रूप में विश्वास जताया है।

मेरी मुस्कान के तहत नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर हुई आयोजित

जितेन्द्र कनोजिया



केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के बेहडा,सोहनी,निहालापूर, बम्बावन व नाउपूर,समेत आदि गांवों में आस्था महिला एवं बाल विकास संस्था अंतर्गत मेरी मुस्कान प्रोजेक्ट के तहत किशोरियों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने हेतु निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पहुंची किशोरियों एवं महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर जरूरतमंद लोगों को आवश्यक दवाएं तथा सेनेट्री पैड निःशुल्क वितरित किए गए।स्वास्थ्य परीक्षण कर रही डॉ.नाजिया में किशोरियों एवं महिलाओं को मासिक धर्म, शारीरिक स्वच्छता, पोषण, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान एवं उनके निवारण के बारे में जानकारी दी।साथ ही उन्होंने कहा कि समय पर स्वास्थ्य जांच और सही जानकारी से कई गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है। इस बाबत संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि प्रोजेक्ट मेरी मुस्कान के माध्यम से किशोरियों के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु निरंतर कार्य किया जा रहा है। आस्था महिला एवं बाल विकास संस्था वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग की महिलाओं व बच्चों के कल्याण हेतु स्वास्थ्य जागरूकता एवं सहायता कार्यक्रम आयोजित करती रही है।इस अवसर पर मेरी मुस्कान टीम प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर बंदना,फील्ड कॉर्डिनेटर सविता,अंकित व दीपनारायण समेत भारी संख्या में किशोरी व महिलाएं मौजूद रही।

बिहार का गौरव बनीं रूपा कुमारी, हॉट मोंडे मिसेज इंडिया वर्ल्डवाइड प्रतियोगिता में जीते दो खिताब

पटना(उत्तरशक्ति)। बिहार की प्रतिभा और महिलाओं की उपलब्धियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने वाली रूपा कुमारी ने अपनी सफलता से प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। पटना की रहने वाली रूपा कुमारी ने राजस्थान के जयपुर में आयोजित प्रतिष्ठित हॉट मोंडे मिसेज इंडिया वर्ल्डवाइड प्रतियोगिता में बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए दो महत्वपूर्ण खिताब अपने नाम किए। उन्हें मिसेज अर्थ एलिमेंट और मिसेज परफेक्ट स्माइल के विशेष खिताब से सम्मानित किया गया।

इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में मैरीगोल्ड फिल्म्स एवं क्यूडेक इंडिया एलएलपी की ओर से सोन भवन स्थित आम्रपाली बैंक्वेट में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिहार महिला उद्योग संघ की अध्यक्ष उषा झा एवं मैरी गोल्ड फिल्म्स की निदेशक प्रीति कंठ ने रूपा कुमारी को सम्मानित किया। कार्यक्रम में रूपा कुमारी ने अपनी उपलब्धि, अनुभव और संघर्ष से सफलता तक पहुंचने की प्रेरणादायक यात्रा मीडिया के साथ साझा की। रूपा कुमारी ने कहा कि इस प्रतियोगिता में बिहार का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए गर्व और गौरव का क्षण रहा। दोनों खिताब हासिल करना उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

यह सफर उनके लिए आत्मविश्वास, धैर्य और निरंतर प्रयास का अनुभव रहा है। उन्होंने सम्मान के लिए मैरी गोल्ड फिल्म्स एवं क्यूडेक इंडिया एलएलपी का धन्यवाद किया। विदित हो कि प्रतियोगिता का आयोजन राजस्थान के नीमराना स्थित हॉट मोंडे राजपूताना पैलेस में हॉट मोंडे मिसेज इंडिया वर्ल्डवाइड की ओर से किया गया था। इस प्रतिष्ठित मंच पर देश-विदेश से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। रूपा कुमारी ने अपने आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और प्रतिभा के दम पर दो खिताब हासिल किए।

बिहार महिला उद्योग संघ की अध्यक्ष उषा झा ने रूपा कुमारी की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं की ऐसी सफलताएं समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। आज महिलाएं अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। रूपा कुमारी की उपलब्धि बिहार की अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेगी।

इस अवसर पर मैरीगोल्ड फिल्म्स की निदेशक प्रीति कंठ ने कहा कि रूपा कुमारी की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि बिहार की उन तमाम महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो अपनी अलग पहचान बनाने का सपना देखती हैं। उन्होंने अपने संघर्ष, धैर्य और आत्मविश्वास से यह मुकाम हासिल किया है। हमारा प्रयास है कि ऐसी प्रतिभाशाली महिलाओं की उपलब्धियों को उचित मंच मिले और उनकी कहानियां समाज तक पहुंचें। इससे दूसरी महिलाओं को भी अपने सपनों को पूरा करने का हौसला मिलेगा।





वी ने लॉन्च किया वी इंटेलिजेंस-एजेंटिक एंटरप्राइजेज के भविष्य को आकार देने वाली एक एआई पहल

मुंबई। भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक, वी ने आज वी इंटेलिजेंस लॉन्च करने की घोषणा की। यह कंपनी की एक रणनीतिक एआई पहल है, जिसका उद्देश्य वी के अपने चालन के साथ-साथ विभिन्न उद्योगों के ग्राहकों और उद्यमों में एआई आधारित बदलाव लाना है। इसका लक्ष्य अगली पीढ़ी के एआई की क्षमाओं का उपयोग कर एंटरप्राइज इंटेलिजेंस के भविष्य को नया आयाम देना है। इस पहल के केंद्र में है वी इंटेलिजेंस लैब,, जिसे पीडब्ल्यूसी इंडिया के साथ साझेदारी में बनाया गया है। यह एंटरप्राइज एआई समाधानों को विकसित करने, उन्हें इन्क्यूबेट करने (और बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए एक इनोवेशन इंजनश्के रूप में काम करेगा। यह वी के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और ट्रांसफॉर्मेशन में पीडब्ल्यूसी इंडिया की विशेषज्ञता को एक साथ लाकर ऐसा ग्लोबल इनोवेशन गेटवे बनेगा, जो दुनिया के प्रमुख एआई लीडर्स, स्टार्टअप्स, रिसर्च इकोसिस्टम और उद्यमों को आपस में जोड़ सके, और एआई के जरिए वास्तविक दुनिया की व्यवसायिक चुनौतियों का समाधान किया जा सके। पीडब्ल्यूसी इंडिया वी के सहयोग से मुंबई में एक निर्धारित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस टीम भी बनाएगा। इस लॉन्च पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, वी के सीटीओ जगबीर सिंह ने कहा, दूरसंचार उद्योग ने लंबे समय से लोगों, व्यवसायों और उपकरणों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन आने वाले समय में इंटेलिजेंस का सबसे ज्यादा महत्व होगा। वी इंटेलिजेंस लैबश के माध्यम से, हम एआई की पूर्ण क्षमता का सदुपयोग करने के लिए ग्लोबल एआई विशेषज्ञता, रणनीतिक साझेदारियों और अपने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को एक साथ ला रहे हैं।

धनतेरस पर खुलेगा मां अन्नपूर्णा का खजाना, बाबा को लगेगा छप्पन भोग

पांच दिन तक मिलेगा प्रसाद, अन्नकूट पर लड्डुओं से बने शिवालय में विराजेंगे बाबा



वाराणसी। काशी में धनतेरस का पर्व इस बार मां अन्नपूर्णा के खजाने और बाबा विश्वनाथ के छप्पन भोग की दिव्य परंपरा के नाम रहेगा। धन-धान्य और समृद्धि की अधिष्ठात्री मां अन्नपूर्णा के दरबार में छह नवंबर की भोर चार बजे विशेष पूजा-अर्चना, भव्य श्रृंगार और महाआरती होगी। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए मां के दर्शन और उनके पावन प्रसाद खजाना वितरण की शुरूआत होगी। यह सिलसिला दस नवंबर को अन्नकूट महापर्व की शयन आरती तक जारी रहेगा। श्री काशी विश्वनाथ धाम में धनतेरस से अन्नकूट तक पांच दिनों तक भक्ति और परंपरा का विशेष उत्सव सजेगा। अन्नपूर्णा मंदिर में मां के दर्शन के साथ खजाना प्रसाद पाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है। काशी की धार्मिक मान्यता में मां अन्नपूर्णा का खजाना केवल प्रसाद नहीं, बल्कि अन्न, धन-धान्य और अक्षय समृद्धि के आशीर्वाद का प्रतीक माना जाता है।

बाबा को अर्पित होंगे 56 तरह के पकवान

अन्नकूट महापर्व पर दस नवंबर को मध्या भोग आरती के दौरान भगवान विश्वेश्वर को छप्पन भोग अर्पित किए जाएंगे। इसमें तरह-तरह के मिष्ठान्न, फल, नमकीन, मेवे और पारंपरिक पकवान शामिल होंगे। इस अवसर पर भगवान विश्वनाथ के शिव परिवार की चल प्रतिमा गर्भगृह में विराजमान कर विशेष श्रृंगार किया जाएगा।

लड्डुओं से बनेगा भव्य शिवालय

अन्नकूट का एक और खास आकर्षण लड्डुओं से निर्मित भव्य शिवालय होगा। इसका निर्माण गर्भगृह के पश्चिमी द्वार के समीप स्थित श्री वैकुंठ महादेव प्रांगण में किया जाएगा। श्रद्धालु यहां लड्डुओं से बने शिवालय के दर्शन कर सकेंगे। मध्याह्न भोग आरती के बाद शिव परिवार की चल प्रतिमा के दर्शन भी गर्भगृह के बाहर से झांकी स्वरूप होंगे।

दक्षिणी द्वार से होगी शयन आरती

अन्नकूट के दिन शाम छह बजे के बाद नियमित आरतियां निर्धारित समय पर होंगी। हालांकि, इस दिन शयन आरती की व्यवस्था में बदलाव रहेगा। सामान्य दिनों में गर्भगृह के पश्चिमी द्वार से होने वाली शयन आरती इस बार दक्षिणी द्वार से संपन्न की जाएगी। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम दर्शन के लिए विशेष इंतजाम करने की बात कही है।

हिमालया बेबीकेयर ने पेश किया पहले विंटर का पहला लेयर कैंपेन

पटना। हिमालया बेबीकेयर ने शिशुओं की पहली सर्दी में त्वचा की देखभाल को लेकर माता-पिता को जागरूक करने के उद्देश्य से अपना नया विंटर कैंपेन पहले विंटर का पहला लेयर पेश किया है। यह कैंपेन सर्दियों में शिशुओं की नाजुक त्वचा की देखभाल और सही स्किनकेयर उत्पादों के चुनाव से जुड़े माता-पिता के आम सवालों पर केंद्रित है। कैंपेन के तहत हिमालया बेबी लोशन और बेबी क्रीम की भूमिका को प्रमुखता से दशार्या गया है। इसमें एक मुख्य फिल्म और छह छोटी फिल्में शामिल हैं, जो उत्पादों से एलर्जी की आशंका, तेल के साथ लोशन और क्रीम की जरूरत तथा शिशुओं के लिए विशेष रूप से तैयार स्किनकेयर उत्पादों के महत्व को समझाती हैं। उत्पादों में 97 प्रतिशत प्राकृतिक मूल के अवयव और पेंटा मॉइस्चर लॉक की खूबियों को भी रेखांकित किया गया है। इस अवसर पर हिमालया वेलनेस कंपनी के डायरेक्टर - बेबीकेयर, चक्रवर्ती एन वी ने कहा कि शिशु की पहली सर्दी माता-पिता के लिए एक खास पड़ाव होती है। पहले विंटर का पहला लेयर के जरिए हमारा उद्देश्य माता-पिता के सवालों का सरल जवाब देना और उन्हें इस मौसम में अपने शिशु की देखभाल के लिए भरोसेमंद स्किनकेयर समाधान उपलब्ध कराना है। यह कैंपेन हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, बंगाली, ओड़िया, असमिया और मराठी भाषाओं में जारी किया जाएगा। इसके माध्यम से कंपनी देशभर के माता-पिता तक शिशुओं की सर्दियों की देखभाल से जुड़ी उपयोगी जानकारी पहुंचाने का प्रयास कर रही है।

दीपावली-छठ पर उत्तर भारत के लिए बढ़ेंगी विशेष ट्रेनें

मुंबई भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा ने रेलवे महाप्रबंधक को सौंपा ज्ञापन

-आदेश मिश्र



मुंबई। दीपावली और छठ महापर्व पर मुंबई एवं आसपास के क्षेत्रों से उत्तर भारत जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त विशेष ट्रेनों के संचालन और रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाएं बढ़ाने की मांग उठी है। इस संबंध में मुंबई भाजपा के महामंत्री और श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी के नेतृत्व में भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के मुंबई अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा के प्रतिनिधिमंडल ने मध्य रेलवे के महाप्रबंधक राजीव श्रीवास्तव से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंपकर त्योहारों के दौरान यात्रियों के लिए विशेष इंतजाम करने का आग्रह किया। मध्य रेलवे के महाप्रबंधक से प्रतिनिधि मंडल ने मांग की कि दीपावली और छठ के दौरान उत्तर भारत की ओर जाने वाली नियमित ट्रेनों में अतिरिक्त डिब्बे लगाए जाएं तथा यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाए। इसके अलावा स्टेशनों पर साफ-सफाई, पेयजल, सुरक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने महाप्रबंधक श्रीवास्तव से कहा कि त्योहारों के अवसर पर मुंबई महानगर में बड़ी संख्या में रह रहे उत्तर भारतीय नागरिक अपने गांव और परिवारों के पास जाते हैं। ऐसे में समय रहते रेल सुविधाओं का विस्तार होने से यात्रियों को भीड़ और असुविधा से राहत मिल सकेगी। प्रतिनिधिमंडल ने रेलवे प्रशासन से मांग की कि त्योहारों की भीड़ को देखते हुए समय रहते ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि मुंबई और आसपास रहने वाले उत्तर भारतीय नागरिक सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक रेल यात्रा के साथ अपने परिवारों के बीच दीपावली एवं छठ मना सकें। इस अवसर पर भाजपा मुंबई महामंत्री आचार्य पवन त्रिपाठी, भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा मुंबई अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा, महामंत्री विनय दुबे,एडवोकेट मनोज जायसवाल,अजीत सिंह, दया शंकर यादव, उपाध्यक्ष प्रभाकर चतुवेर्दी,पूर्व महामंत्री प्रदीप त्रिपाठी एवं विनोद गौड़ सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

श्रमजीवी संगठन के बड़े मार्च के बाद सरकारी फैसलों पर मंत्रालय में स्नेहा दुबे पंडित ने की बैठक



मुंबई। श्रमजीवी संगठन द्वारा 27 अक्टूबर 2026 को निकाले गए विशाल मार्च के बाद महाराष्ट्र सरकार की ओर से जारी सरकारी फैसलों को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मंत्रालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने की।

बैठक में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस दौरान आदिवासी, श्रमिक एवं मेहनतकश वर्ग से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख रूप से निम्नलिखित विषय उठाए गए मुद्दे जंगल की जमीन से जुड़े लंबित मामलों का समाधान, आधार कार्ड और जन्म प्रमाणपत्र प्राप्त करने में आ रही समस्याएं, दहानू और तलासरी में खानदानी जमीन से जुड़े सवाल, बंधुआ मजदूरों के पुनर्वास की व्यवस्थ, ग्रामीण रेलवे स्टेशनों के विस्तार का मुद्दा, बैठक में जोर दिया गया कि इन सभी मुद्दों को सरकारी निर्णयों में उचित स्थान दिया जाए और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि आदिवासी एवं मेहनतकश परिवारों को उनका अधिकार मिल सके। इस महत्वपूर्ण बैठक में राज्य स्तरीय आदिवासी विकास समीक्षा समिति (मंत्रिस्तरीय दर्जा) के अध्यक्ष एवं श्रमजीवी संगठन के संस्थापक विवेक भाऊ पंडित, संगठन की अध्यक्ष श्रीमती सीता घाटल, कार्यकारी अध्यक्ष बलराम भोईर, महासचिव विजय जाधव, पालघर जिला अध्यक्ष सुरेश रांगेड़, ठाणे जिला अध्यक्ष अशोक साप्ते, सचिव सूरज दलवी, प्रकाश खोडका, प्रदीप वधान सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आदिवासी और मेहनतकश समाज के हक, अधिकार और सम्मानपूर्ण जीवन के लिए श्रमजीवी संगठन लगातार संघर्षरत है। संगठन का उद्देश्य है कि सरकारी योजनाओं और फैसलों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और किसी भी जरूरतमंद परिवार को उसके जायज अधिकारों से वंचित न रहना पड़े।

न्यूमेरोस मोटर्स का 'वाइब मूवर्स' अभियान

मुंबई। भारत की उभरती मोबिलिटी कंपनी 'न्यूमेरोस मोटर्स' ने अपने नए डिजिटल विज्ञापन अभियान 'वाइब मूवर्स' के माध्यम से भारतीय महिला एथलीटों के अटूट जज्बे, कड़े संघर्ष और ऐतिहासिक सफलताओं को सम्मानित करने की विशेष पहल की है। इस अभियान के तहत कंपनी ने देश का नाम रोशन करने वाली तीन प्रमुख महिला एथलीटों–ओलंपिक तलवारबाज भवानी देवी, मौजूदा राष्ट्रीय महिला टेबल टेनिस चैंपियन यशस्विनी घोरपड़े और अंतरराष्ट्रीय फुटसल खिलाड़ी मिथिला रमानी–को उनके असाधारण प्रदर्शन और लगन के सम्मान स्वरूप अपना प्रमुख 'एन-फर्स्ट' क्रॉसओवर यूटिलिटी व्हीकल भेंट किया है। 'वाइब मूवर्स' श्रृंखला केवल पदकों और पुरस्कारों तक सीमित न रहकर खिलाड़ियों की सफलता के पीछे की असली कहानियों को सामने लाती है। इस श्रृंखला के जरिए एथलीटों की कड़ी ट्रेनिंग, गंभीर चोटों, असफलताओं और फिर से वापसी करने के कठिन सफर को दर्शकों के सामने पेश किया गया है। न्यूमेरोस मोटर्स के क्रॉसओवर यूटिलिटी व्हीकल्स की अवधारणा भी इसी मजबूती, टिकाऊपन और निर्भरता पर आधारित है, जो पारंपरिक दोपहिया वाहनों की ताकत के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों जैसी बेहद कम परिचालन लागत का अनूठा संयोजन प्रदान करते हैं। इस पहल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए न्यूमेरोस मोटर्स के सीईओ अरुण श्रीवास्तव ने कहा कि न्यूमेरोस के सीयूवी वाहनों को ग्राहकों का सच्चा और भरोसेमंद साथी बनने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है, जो उनके रोजमर्रा के सफर की अलग-अलग जरूरतों को पूरा करते हैं। 'वाइब मूवर्स' अभियान में शामिल सफल महिला खिलाड़ी भी इसी जज्बे और भावना को दशार्ती हैं। उनकी लगन, कड़ी मेहनत और चुनौतियों का सामना कर सफलता हासिल करने का रवैया सभी को प्रेरित करता है और उनके इस सफर को सम्मानित करना कंपनी के लिए गर्व का विषय है।

क्विक हील ने डेटा प्राइवेसी कंप्लायंस के लिए 'सेक्राइट नोवा' पेश किया

मुंबई। क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने अपने एंटरप्राइज साइबर सिक्योरिटी ब्रांड सेक्राइट के माध्यम से आज 'सेक्राइट नोवा डेटा प्राइवेसी' पेश करने की घोषणा की है। यह एआई आधारित अभिनव ऑफरिंग छोटे दफ्तर या घर से चलने वाले (सोहो) कारोबारों, छोटे और मझोले कारोबारों (एसएमबी) तथा मिड-एंटरप्राइजेस के लिए डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) एक्ट के कंप्लायंस की प्रक्रिया को सुलभ, आसान और तेज बनाने के लिए डिजाइन की गई है। भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था के बीच कारोबारों के लिए बिखरे हुए पर्सनल डेटा की पहचान करना, सहमति प्रबंधन और डेटा प्रिंसिपल के अधिकारों का सम्मान करना अनिवार्य हो गया है। सेक्राइट नोवा इस जटिल रेगुलेटरी जरूरत को एक स्वचालित व सहज एआई प्रक्रिया में बदलकर संसाधनों



की कमी और सीमित आईटी विशेषज्ञता जैसी परिचालन चुनौतियों को दूर करता है। सेक्राइट नोवा के केंद्र में उन्नत एआई आधारित इंटेलिजेंस है, जो एंडपॉइंट्स, क्लाउड एप्लिकेशन्स, डेटाबेस और अनस्ट्रक्चर्ड फाइलों में मौजूद संवेदनशील डेटा को लगातार खोजती है और उसका वर्गीकरण करती है। इसका इंटेलिजेंट इंजन स्कैन किए गए दस्तावेजों व तस्वीरों के भीतर लिखे टेक्स्ट की भी पहचान करने में सक्षम है, जिससे मैनुअल समीक्षा का काम घटता है। इसके अलावा, प्राइवेसी नोटिस को भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने के डीपीडीपी के प्रावधान का पालन करने के लिए इसमें एआई भाषा अनुवाद इंजन इन-बिल्ट है। यह इंजन सहमति प्रक्रियाओं, प्राइवेसी नोटिस और कुकी प्रेफरेंस मेन्यू का आधिकारिक तौर पर मान्य 22 भारतीय भाषाओं में स्वचालित रूप से अनुवाद करता है, जिससे कारोबार पारदर्शिता के साथ ग्राहकों से उनकी पसंदीदा भाषा में जुड़ सकते हैं। कारोबारों को अपनी आवश्यकता और विकास के अनुसार समाधान चुनने की सुविधा देने के लिए सेक्राइट नोवा तीन स्केलेबल पैकेजों–लाइट, एसेंशियल्स और प्रोफेशनल–में उपलब्ध कराया गया है। यह एकीकृत सूट एंडपॉइंट विजिबिलिटी व डेटा लीकेज प्रिवेंशन, ऑटोमेटेड कंसेंट व प्रेफरेंस मैनेजमेंट, डेटा सब्जेक्ट रिक्वेस्ट वर्कफ्लो, और डेटा ब्रीच नोटिफिकेशन व प्राइवेसी प्रभाव आकलन जैसे एडवांस्ड प्राइवेसी ऑपरेशंस के फीचर्स प्रदान करता है।

आरोग्य का संदेश लेकर आता है–धनतेरस



धनतेरस केवल धन-संपदा की कामना का पर्व नहीं, बल्कि आरोग्य, दीघार्यु और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देने वाला पावन अवसर भी है। आयुर्वेद परंपरा में इस दिन का विशेष महत्व इसलिए है क्योंकि इसे भगवान धन्वंतरि की जयंती के रूप में मनाया जाता है। समुद्र मंथन से प्रकट हुए भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद का आदि प्रवर्तक तथा आरोग्य के देवता के रूप में स्मरण किया जाता है। भगवान धन्वन्तरि की जयंती इस भू लोक पर युगों से मनाई जाती रही है। यह आयुर्वेद विभाग का स्मृति पर्व तो है ही साथ हमें सदैव सतव्रत और स्वास्थ्य व्रत अपनाने हेतु प्रेरित करने वाला पर्व भी है। दीपावली पर्व का शुभारंभ धन्वंतरि जयंती से ही आगाज होता है। इस दिन से घरों में रात्रि को दीपमाला प्रज्वलित की जाती है इस पर्व के एक महीना पहले से पूरे घर की साफ,सफाई,लिपाई -पुताई सजावट आदि का कार्य भी प्रारंभ हो जाता है ऐसा लगता है मानो घरों में स्वच्छता का साम्राज्य स्थापित हो रहा हो। स्वास्थ्य की दृष्टि से इस पर्व का काल, वर्ष का सर्वश्रेष्ठ समय माना जाता है। सर्वत्र स्वास्थ्य उल्लास एवं प्रसन्नता के दर्शन होते दिखाई देते हैं, ऐसी मान्यता है कि इस पर्व के समय भगवान सोमबल का विसर्ग करते हैं। देश के सबसे विशाल क्षेत्र ग्रामीण आचल में देश के 80% लोग रहते हैं। यहां सदियों से आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को ही अपनाया जाता रहा है, किंतु अब इसकी आवश्यकता ओर बढ़ गई है।जरूरत इस बात की है कि हमसे जितना हो सके,बदलते युग में हम आयुर्वेद में विश्वास करें और बढ़ते हुए चिकित्सा के नवाचार और नूतन आयाम को अपनाते हुए हम आयुर्वेद से आरोग्य की ओर बढ़े।आजकल देखने में आया है कि आयुर्वेद में आए दिन नूतन अनुसंधान हो रहे हैं और पंचकर्म का परचम भी देश दुनिया में खूब पहरा रहा है,उनको अपनाते हुए इस महंगाई के युग में आयुर्वेद को ही महत्व देवे। साथ ही इस दिन को श्री वृद्धि का प्रतीक मानकर बर्तन आभूषण वस्त्र आदि तथा घर में कोई भी नूतन चीज जरूर खरीदें, क्योंकि यह स्वास्थ्य एवं समृद्धि के वाला अनोखा त्यौहार है।

-उपरोक्त के अलावा धनतेरस हमें और क्या सिखाता है?

धनतेरस का सबसे बड़ा संदेश यही है कि जीवन में स्वास्थ्य से बढ़कर कोई धन नहीं। व्यक्ति के पास कितनी भी भौतिक संपत्ति हो,यदि शरीर और मन स्वस्थ नहीं हैं तो उस संपदा का वास्तविक आनंद नहीं लिया जा सकता।

आयुर्वेद स्वस्थ जीवन के लिए केवल रोग होने पर उपचार की बात नहीं करता,बल्कि रोगों से बचाव और स्वास्थ्य की रक्षा को भी उतना ही महत्वपूर्ण मानता है। यही कारण है कि आयुर्वेद में स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम् को प्रमुख उद्देश्य माना गया है।

स्वस्थ रहने की आयुर्वेद सम्मत सीख

1. भोजन को औषधि के समान समझें

भूख के अनुसार, ताजा एवं सुपाच्य भोजन करें। अत्यधिक तला-भुना, मीठा,पैकेज्ड और आवश्यकता से अधिक भोजन स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

2. दिनचर्या को नियमित रखें

समय पर सोना, समय पर उठना, नियमित व्यायाम तथा भोजन की उचित दिनचर्या शरीर की प्राकृतिक लय को बनाए रखने में सहायक होती है।

3. रोज कुछ समय शरीर को दें

नियमित पैदल चलना, योग, प्राणायाम और अपनी क्षमता के अनुसार व्यायाम शरीर को सक्रिय रखने के सरल उपाय हैं।

4. मानसिक स्वास्थ्य भी जरूरी है

तनाव, क्रोध, चिंता और अनियमित नींद शरीर के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। ध्यान, प्राणायाम, सकारात्मक सोच और परिवार के साथ संवाद मन को संतुलित रखने में सहायक हैं।

5. ऋतु के अनुसार आहार-विहार अपनाएं

आयुर्वेद में ऋतु चर्या का विशेष महत्व है। मौसम के अनुसार भोजन,वस्त्र, दिनचर्या और जीवनशैली में उचित बदलाव शरीर को बदलते वातावरण के अनुकूल बनाने में मदद करता है।

आज के परिपेक्ष्य में धन्वंतरि जयंती की उपादेयता

धन्वंतरि जयंती हमें यह स्मरण कराती है कि चिकित्सा केवल रोग मिटाने का माध्यम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की संस्कृति है। इस दिन आयुर्वेद के सिद्धांतों को अपनाने,चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने और समाज में स्वास्थ्य- जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया जा सकता है।

आइए, इस धनतेरस पर केवल धन की वृद्धि की कामना न करें, बल्कि स्वास्थ्य रूपी अमूल्य धन को सुरक्षित रखने का संकल्प भी लें। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद,संयमित जीवन शैली और सकारात्मक सोच को जीवन का हिस्सा बनाएं। आपको बता देवे कि सच्चा धन वही है,जिसे स्वस्थ शरीर, प्रसन्न मन और दीर्घ जीवन के रूप में संजोया जा सके।

इस धनतेरस का संकल्प

स्वास्थ्य को दें पहला स्थान,

आयुर्वेद बने जीवन की पहचान।

आयुर्वेद ज्ञान के दाता।

मंगल-सुख-आरोग्य प्रदाता

हरते प्रभु जनमन का क्रंदन

हे धनवंतरी शत शत वंदन।।

प्रस्तुति – डॉ. राजेंद्र कुमावत चिराना,SMO आयुर्वेद विशेषज्ञ C/O श्री गणेश मेडिकल स्टोर सीकर रोड़ चिराना झुंझुनूं ,मो. न.9829483955.

खनकने को तैयार बाजार, सजी दुकानों पर उमड़ी खरीदारों की भीड़

बाइक से चम्मच तक, सोने के सिक्कों से डायमंड ज्वेलरी तक बढ़ी चमक, कल शुभ मुहूर्त में खरीदारी का इंतजार

धनतेरस की पूर्व संध्या पर बाजारों में दिखा दीपोत्सव का उल्लास, वाहनों से लेकर बर्तन, सराफा, इलेक्ट्रॉनिक्स और पूजन सामग्री की दुकानों तक रौनक

सुरेश गांधी

वाराणसी। कहीं नई बाइक की चाबी हाथ में आने का इंतजार है तो कहीं सोने की चमक में लक्ष्मी के स्वागत की तैयारी। किसी दुकान पर पीतल और तांबे के बर्तनों की खनक है तो कहीं चांदी के सिक्कों और आकर्षक आभूषणों की चमक ग्राहकों को ठहरने पर मजबूर कर रही है। दीपावली से पहले धनतेरस की दस्तक ने काशी के बाजारों की धड़कन बढ़ा दी है। गुरुवार को पर्व की पूर्व संध्या पर बाजारों में उमड़ी भीड़ ने साफ संकेत दे दिया कि इस बार त्योहार का उल्लास कारोबार में भी नई जान फूंकने को तैयार है।

धनतेरस पर खरीदारी की परंपरा भले ही सदियों पुरानी हो, लेकिन बदलते समय के साथ बाजार की पसंद और खरीदारी का अंदाज भी बदल रहा है। अब बर्तन खरीदने का मतलब केवल कटोरी, गिलास और चम्मच तक सीमित नहीं है। आकर्षक डिजाइन वाले किचन सेट, कॉपर की बोतलें, स्टाइलिश सर्विंग ट्रे, प्रीमियम डिनर सेट और आधुनिक कुकवेयर भी ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। वहीं दोपहिया और चारपहिया वाहनों के शोरूम में भी ग्राहकों की आवाजाही बढ़ी है। कई लोग पसंदीदा मॉडल और रंग देखने के साथ बुकिंग की औपचारिकता पूरी कर रहे हैं।

सराफा बाजार में परंपरा के साथ आधुनिकता का मेल

धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदने की परंपरा का आकर्षण इस बार भी बरकरार है। हालांकि महंगी धातुओं के बीच ग्राहकों की पसंद में बदलाव दिखाई दे रहा है। भारी आभूषणों के साथ हल्की चेन, छोटे पेंडेंट, अंगूठियां, रोजाना पहनने योग्य ज्वेलरी और कम वजन के डिजाइन चर्चा में हैं। सोने के सिक्कों के साथ चांदी के सिक्के, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां, चांदी की कटोरी, गिलास और चम्मच भी खरीदारी की सूची में शामिल हैं। युवाओं में डायमंड जड़ित आभूषण और नए डिजाइन की ज्वेलरी का आकर्षण भी बढ़ा है।

पूजन सामग्री से लेकर आतिशबाजी तक तैयारी

उधर, दीपावली की पूजा के लिए लक्ष्मी-गणेश की आकर्षक प्रतिमाओं, पीतल और चांदी के पूजन सेट, रंग-बिरंगी दीपमालाओं, मिट्टी के दीयों, सजावटी बंदनवार और रंगोली सामग्री से दुकानें सज गई हैं। पारंपरिक मिट्टी के दीयों के साथ डिजाइनर और सजावटी दीयों की भी खूब वैरायटी है। आतिशबाजी की दुकानों पर फुलझड़ी, अनार, चकरी और आसमान में रंग बिखेरने वाले पटाखों की मांग को लेकर तैयारियां हैं। कम धुआं और कम आवाज वाले ग्रीन पटाखों के विकल्प भी ग्राहकों के बीच चर्चा में हैं।

मुहूर्त की खरीदारी पर टिकी निगाहें

गुरुवार को बाजारों में भीड़ के बावजूद कई ग्राहक पसंदीदा सामान देखकर लौटते नजर आए। वजह साफ है, धनतेरस पर शुभ मुहूर्त में खरीदारी की धार्मिक मान्यता। ऐसे में शुक्रवार को सुबह से ही बाजारों में



खरीदारों की भीड़ बढ़ने की उम्मीद है। दुकानदारों ने भी देर रात तक प्रतिष्ठान खुले रखने और ग्राहकों की सुविधा के लिए अतिरिक्त व्यवस्था की तैयारी की है। कुल मिलाकर इस बार धनतेरस पर बाजार में परंपरा और आधुनिकता साथ-साथ दिखाई दे रही है। किसी के लिए यह सोने-चांदी में निवेश का अवसर है तो किसी के लिए घर में नई वस्तु लाने की खुशी। किसी के लिए नई गाड़ी का सपना है तो किसी के लिए महज एक चम्मच खरीदकर भी शुभ शुरूआत करने का विश्वास। बाजार की यही विविधता धनतेरस को खास बनाती है।

इस बार बाजार में क्या नया?

कॉपर और स्टेनलेस स्टील की आकर्षक बोतलें।

डिजाइनर सर्विंग ट्रे और प्रीमियम डिनर सेट।

नॉनस्टिक और मल्टीपर्पज कुकवेयर।

एलईडी डेकोरेटिव लैंप और सेंसर वाली लाइटें।

फ्लोटिंग और सुगंधित सजावटी दीये।

इलेक्ट्रिक दीपमाला और डिजिटल रंगोली लाइट।

घर सजाने के लिए थीम आधारित तोरण और बंदनवार।

पारंपरिक पूजा थाली के साथ डिजाइनर पूजा किट।

ज्वेलर्स की दुकानों पर बदली पसंद

भारी गहनों से आगे बढ़कर हल्के वजन और छोटे निवेश पर जोर

इस बार सराफा बाजार में परंपरागत सोने के गहनों के साथ खरीदारी की नई पसंद भी दिख रही है।

सोने के छोटे और हल्के सिक्के।

लक्ष्मी-गणेश अंकित चांदी के सिक्के।

कम वजन की सोने की चेन और पेंडेंट।

डायमंड स्टडेड अंगूठियां और ईयररिंग्स।

पुरुषों के लिए सोने की अंगूठियां और चेन ब्रेसलेट।

चांदी की कटोरी, गिलास और चम्मच।

चांदी की लक्ष्मी-गणेश प्रतिमाएं।

रोजाना पहनने योग्य मिनिमल डिजाइन की ज्वेलरी।

खास बदलाव : महंगे सोने के बीच ग्राहक कम वजन में आकर्षक डिजाइन और बजट के मुताबिक खरीदारी के विकल्प तलाश रहे हैं।

लक्ष्मी-गणेश के दरबार में भी डिजाइन का नया संसार

मिट्टी की पारंपरिक मूर्तियों से लेकर चांदी और मेटल की प्रतिमाओं तक

इस बार दीपावली पूजन के लिए बाजार में कई तरह के विकल्प हैं।

पारंपरिक मिट्टी की लक्ष्मी-गणेश प्रतिमाएं।

चांदी और पीतल की छोटी प्रतिमाएं।

एंटीक फिनिश वाली मेटल मूर्तियां।

आकर्षक डिजाइन वाली पूजा चौकियां।

लक्ष्मी-गणेश के साथ कुबेर यंत्र।

सजावटी पीतल के दीपस्तंभ।

डिजाइनर पूजा थाली और पंचदीप।

मिट्टी के पारंपरिक दीये और रंगीन दीयामालाएं।

इसके अलावा धनिया, गोमती चक्र, कौड़ियां, श्रीयंत्र, कलश और पूजन के अन्य पारंपरिक सामान भी खरीदारी का हिस्सा हैं।

आतिशबाजी में रंगों का नया अंदाज

अनार, फुलझड़ी और चकरी के साथ कम धुआं और कम आवाज वाले विकल्पों पर जोर

दीपावली की खुशियों में आतिशबाजी का अपना आकर्षण है। बाजार में पारंपरिक पटाखों के साथ कई तरह की वैरायटी उपलब्ध है।

रंगीन रोशनी बिखेरने वाले अनार।

बच्चों के आकर्षण की फुलझड़ियां।

जमीन पर घूमने वाली चकरी।

रंग-बिरंगी रोशनी वाले स्काई शॉट।

कम आवाज वाले ग्रीन पटाखों के विकल्प।

आकर्षक पैकिंग वाले फैमिली फायरवर्क पैक।

बदलती सोचः तेज आवाज की जगह रोशनी और रंगों को प्राथमिकता देने तथा पर्यावरण अनुकूल आतिशबाजी की ओर रुझान बढ़ाने की कोशिश दिख रही है। पटाखे केवल अधिकृत विक्रेताओं से और निर्धारित नियमों के अनुसार ही खरीदें।

ऑटोमोबाइल बाजारः कितनी बाइक और कारों की बुकिंग हुई है? कितने वाहनों की डिलीवरी धनतेरस पर होनी है? यह आंकड़ा मिल जाए तो बाजार की वास्तविक गर्मी सामने आएगी। सराफा बाजारः सोने-चांदी के भाव में पिछले साल के मुकाबले कितना अंतर है? कितने ग्राहक हल्के गहने और चांदी के सिक्के पसंद कर रहे हैं? यह इस बार की खरीदारी का सबसे मजबूत आर्थिक एंगल होगा।

बर्तन और इलेक्ट्रॉनिक्सः क्या ग्राहक परंपरागत पीतल-तांबे के बजाय आधुनिक किचन आइटम, स्मार्ट टीवी, वॉशिंग मशीन, फ्रिज और छोटे घरेलू उपकरणों की ओर अधिक आकर्षित हैं?